संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 265
पृष्ठ 8
मंगलवार
17 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लू से बढ़ रही है हाई ब्लड प्रेशर की...
विचार- वैवाहिक संबंधों में निर्ममता...
खेल- जॉनसन का कमिंस-स्टार्क और...

सामरिक साझेदारी के लिए रोड़मैप बनायेंगे भारत और साइप्रस : मोदी

निकोसिया, एजेंसी। भारत और साइप्रस अपनी साझेदारी को सामरिक स्तर तक ले जाने के लिए अगले पांच वर्षों का रोडमैप बनायेंगे जिसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग कार्यक्रम और साइबर तथा सुमुद्री क्षेत्र में सुरक्षा पर वार्ता भी शामिल होगी। साइप्रस की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में समर्थन के लिए साइप्रस के प्रति आभार भी व्यक्त किया।दो दशक से भी लंबे अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह आपसी संबंधों में एक नया अध्याय लिखने का अवसर है। दोनों देश साझेदारी को सामरिक दायरे तक बढाने के लिए पांच वर्षों का रोड़ मैप तैयार करेंगे। श्री मोदी ने कहा, "अपनी साझेदारी को स्ट्रेटेजिक दिशा देने के लिए हम अगले पाँच वर्षों के लिए एक ठोस रोडमैप बनायेंगे। रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूती देने के लिए द्विपक्षीय रक्षा सहयोग कार्यक्रम के तहत रक्षा उद्योग पर बल दिया जायेगा। साइबर और मैरीटाइम सिक्योरिटी पर अलग से वार्ता शुरू की जायेगी।" प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के विरूद्ध भारत की लड़ाई को समर्थन देने के लिए साइप्रस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा," क्रॉस–बॉर्डर टेररिज्म के विरुद्ध भारत की लड़ाई में साइप्रस के सतत समर्थन के हम आभारी हैं। आतंकवाद, ड्रग और हथियारों की तस्करी की रोकथाम के लिए, हमारी एजेंसीज के बीच जल्द से जल्द सूचनाओं के आदान प्रदान का मैकेनिज्म तैयार किया जायेगा।" श्री मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को लेकर भी भारत और साइप्रस के विचार एक समान हैं। उन्होंने कहा, "संयुक्त राष्ट्र को समकालीन बनाने के लिए जरूरी सुधार को लेकर हमारे विचारों में समानता है। साइप्रस द्वारा सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करने के लिए हम आभारी हैं। भूमध्यसागरीय क्षेत्र के साथ संपर्क बढ़ाने पर भी हमने बात की। हम सहमत हैं कि भारत – मध्य एशिया –यूरोप आर्थिक गलियारे से क्षेत्र में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।" प्रधानमंत्री ने उन्हें साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किये जाने को भारत और साइप्रस की अटूट मित्रता करार दिया। उन्होंने कहा, "कल, जब से मैंने साइप्रस की धरती पर कदम रखा है, राष्ट्रपति जी और यहाँ के लोगों ने जो अपनापन और स्नेह दिखाया, वह सीधे दिल को छू गया। मुझे साइप्रस के इतने बड़े सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और साइप्रस की अटूट मित्रता की मोहर है। इसके लिए मैं एक बार फिर आभार व्यक्त करता हूँ।" श्री मोदी आज ही साइप्रस से कनाड़ा रवाना होंगे जहां वह जी –7 देशों की शिखर बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद वह क्रोएशिया की यात्रा पर जायेंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप: मनरेगा का ख़र्च रोकने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन–रेखा मनरेगा को तड़पा–तड़पा कर ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60: तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़ अपराध है। खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वो गरीबों की जेब से क़रीब ₹25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, कमउंदक ज़्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से ख़र्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक कमउंदक–कतपअमद योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में कमउंदक की वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य कमउंदक के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7प्रतिशत परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? (लिब टेक, 21 मई तक) क़रीब 7 करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से AADHAAR Based Payment की शर्त लगा बाहर क्यों किया गया? उन्होंने आगे पूछा कि 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? ग़रीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मज़दूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है?

साइप्रस में प्रधानमंत्री मोदी को मिला सर्वोच्च्च नागरिक सम्मान, राष्ट्राध्यक्ष से भी की मुलाकात

निकोसिया, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 16 जून को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस प्प्प से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने इस पुरस्कार को दोनों देशों के बीच मित्रता को समर्पित किया। इससे पहले, निकोसिया में राष्ट्रपति भवन में साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने नरेंद्र मोदी का आधिकारिक स्वागत किया। समारोह के बाद, दोनों नेताओं

ने अपने–अपने प्रतिनिधिमंडलों का परिचय कराया और द्विपक्षीय चर्चा की। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी तीन देशों की यात्रा के तहत रविवार दोपहर (स्थानीय समयानुसार) द्वीपीय देश पहुंचे। लार्नाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने उनका स्वागत किया तथा बाद में लिमासोल में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने दोनों देशों के प्रमुख सीईओ से भी बातचीत की। चर्चाएँ वाणिज्यिक संबंधों को मज़बूत करने पर केंद्रित रहीं, विशेष रूप से नवाचार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा! राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस और मैंने भारत और साइप्रस के बीच वाणिज्यिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए अग्रणी सीईओ के साथ बातचीत की... मैंने पिछले दशक में भारत के सुधार पथ के बारे में भी बात की।

यूपी में बिजली गिरने से 25 लोगों की मौत

सीएम योगी ने राहत के आदेश दिए

लखनऊ, संवाददाता। 15 जून– पिछले 48 घंटों में उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में तेज आंधी–तूफान के साथ बिजली गिरने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई लोग अपने दैनिक कामों के दौरान बाहर फंसे हुए थे। बिजली गिरने से होने वाली मौतों की सूचना ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों से मिली, जहां कमज़ोर आबादी खेती, आवागमन या घरेलू कामों में लगी हुई थी। अधिकारियों ने अभी तक जिलेवार विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है, लेकिन सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर और रायबरेली शामिल हैं। गोंडा जिले में सोमवार को अलग–अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र के दत्तनगर बिसेन निवासी कुणाल शर्मा (20) आज सुबह जब घर के पास हैंडपंप से पानी लेने गया था तो आकाशीय बिजली की चपेट में आने से वह झुलस गया। परिजन

उसे तुरंत गोंडा मेडिकल कॉलेज ले गए जहां चिकित्सकों ने कुणाल को मृत घोषित कर दिया। शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम में आकाशीय बिजली गिरने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। जिलाधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में ग्राम काजीदेवर में आकाशीय बिजली गिरने के कारण रामदेव यादव (46) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार दोनों मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की दुखद मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मृतकों के परिवारों को तत्काल वित्तीय मुआवज़ा प्रदान करें। नुकसान का विस्तृत सर्वेक्षण करें। यह सुनिश्चित करें कि घायल पीड़ितों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संबंधित अधिकारियों को तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों में राहत कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मृतकों के परिजनों और अन्य नुकसान झेलने वालों को आर्थिक सहायता देने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घायलों का समुचित उपचार किया जाए। योगी ने कहा कि अधिकारी फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण करें और रिपोर्ट शासन को भेजें, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

गृह मंत्रालय ने जनगणना के लिए अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने देश में आगामी जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर देश भर में जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 होगी जबकि बर्फबारी से प्रभावित जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश मैं संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 रहेगी। इस बार जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री अमित शाह ने अधिसूचना जारी किये जाने से एक दिन पहले रविवार को केंद्रीय गृह सचिव, महापंजीयक और जनगणना आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी। गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी घरों की सूची तैयार करने के ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद, दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर में प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी।

देश में कोरोना संक्रमण से 11 मरीजों की मौत, सक्रिय मामले घटकर 7264 रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 11 और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 108 पहुंच गयी और 119 सक्रिय मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामले 7264 हो गये हैं। इससे पहले रविवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7383 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोराना के संक्रमण से केरल में सात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एक–एक मरीज की मौत हो गयी है। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में जहां ज्यादा सक्रिय मामले सामने आये हैं वहीं राष्ट्रीय राजधानी, केरल, तमिलनाडु और गुजरात में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे जो आज बढ़कर 7264 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 13604 मरीज कोरोना के संक्रमण से ठीक हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले उत्तर प्रदेश से 37, राजस्थान से 30 और कर्नाटक से 18 मामले सामने आये हैं और दिल्ली में 33, केरल में 87 और महाराष्ट्र में 38 मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामले सामने आये हैं, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हांलाकि आज सुबह तक 87 सक्रिय मामले कम होने के साथ इसका आंकड़ा 1920 रह गया है और राष्ट्रीय राजधानी में 33 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 649 रह गई। महाराष्ट्र में 38 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 540 रह गयी और गुजरात में इसके मामलों की संख्या घटकर 1433 रह गयी है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 747, कर्नाटक में 591, तमिलनाडु में 220, उत्तर प्रदेश में 275, राजस्थान में 222, हरियाणा में 91, आंध्र प्रदेश में 95, मध्य प्रदेश में 134, छत्तीसगढ में 51, बिहार में 38, ओडिशा में 50, सिक्किम में 58, पंजाब में 27, जम्मू–कश्मीर में 15, झारखंड में 31, असम में 25, तेलंगाना में 10, पुड्डुचेरी में नौ, गोवा और उत्तराखंड में छह–छह, मणिपुर में 13, लद्दाख में चार, चंड़ीगढ़ और त्रिपुरा में दो–दो सक्रिय मामले हैं।

रॉबर्ट वाड्रा को ईडी ने फिर भेजा समन, 17 जून को होगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के व्यवसायी पति रॉबर्ट वाड्रा को नया समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें 17 जून को संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। इस मामले की जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। 56 वर्षीय वाड्रा को 10 जून को मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए पूछताछ से परहेज किया कि 9 जून को उन्हें फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड परीक्षण कराया था। उनके वकील ने तब कहा था कि वाड्रा का समन से बचने का कोई इरादा नहीं है और वह इस महीने के अंत में विदेश यात्रा से पहले या बाद में कभी भी ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि एजेंसी ने पीएमएलए के तहत वाड्रा का बयान दर्ज करने और उसके बाद मामले में आरोपपत्र दाखिल करने के लिए उन्हें तलब किया है। संघीय जांच एजेंसी ने हरियाणा में 2008 के एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अप्रैल में लगातार तीन दिनों तक व्यवसायी से पूछताछ की थी।

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में बढ़ रहा है भारत: शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत आपदाओं के प्रबंधन में क्षमता, दक्षता, गति और सटीकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कर विश्व में अग्रणी देश बनने की दिशा में बढ रहा है।श्री शाह ने सोमवार को यहां राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों तथा आपदा मोचन बलों के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले दो वर्षों में राहत तथा आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी एजेंसियों की विभिन्न कार्यशालाओं को एक ही बैठक के तहत लाकर संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण के साथ एक वैचारिक मंच बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इससे कमियों को दूर करने और पूरे देश को आपदा से लड़ाई के लिए तैयार करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इससे सभी हितधारक और एजेन्सियां मिलकर अच्छे तालमेल से काम कर पाती हैं। गृह मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण पूरा विश्व आपदाओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए राष्ट्रीय गठबंधन (सीडीआरआई) के योगदान के कारण भारत आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर है। श्री शाह ने कहा कि जब भी भारत के आपदा प्रबंधन का इतिहास लिखा जाएगा तो मोदी सरकार के ये

दस वर्ष परिवर्तनकारी दशक के रूप में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने क्षमता, गति, दक्षता और सटीकता के चारों क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि न सिर्फ क्षमता को बढ़ाया गया बल्कि उसे संवर्धित कर तहसील तक पहुंचाने का काम किया गया है। गति का भी ध्यान रखा गया है क्योंकि समय पर आपदा से लोगों को बचाना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

आधुनिक तकनीक और समर्पित स्वभाव वाले आपदा मोचन बल के कारण दक्षता में भी वृद्धि हुई है और सटीकता के साथ पूर्वानुमान तथा अग्रिम सूचना पहुंचाकर समाज को जागृत कर उसे आपदा प्रबंधन में राहत और बचाव के काम में जोड़ने में सफलता प्राप्त की गयी है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन को लेकर दृष्टिकोण में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। इससे 'ज़ीरो कैजुअल्टी' के लक्ष्य को सफलता के साथ हासिल किया गया है। इसके साथ ही अब दृष्टिकोण राहत केन्द्रित से बदलकर समग्र और एकीकृत बना है। उन्होंने कहा कि अब केन्द्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय इकाइयां एक इकाई के रूप में आपदाओं का सामना करने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दस वर्ष में देश का हर युवा इस मदद की भावना के साथ आपदाओं से लड़ने के लिए तैयार होगा।

श्री शाह ने कहा कि भारत ने पूर्व चेतावनी प्रणाली के विकास में बहुत कुछ हासिल किया है, यथासमय पूर्व तैयारी को कैलेंडर के साथ जोड़ा गया है। सक्रिय निवारण और शमन में वैज्ञानिक तरीके से पद्धति को तैयार किया गया है और आपदा जोखिम के न्यूनीकरण में भी बड़ी सफलता प्राप्त की गयी है।

प्रोफेसर के घर से चोरी के पांच और आरोपित गिरफ्तार

प्रयागराज। दारागंज के पूरा पड़ाइन निवासी इविवि के प्रोफेसर अनुपम पांडेय के घर से चोरी के पांच और आरोपितों को पुलिस ने रविवार की देर शाम को लाल सड़क के समीप गिरफ्तार किया। आरोपित चरन जीत उर्फ रेहान उर्फ सीनू निवासी देवास, रितिक पार्दी निवासी गुलाबगंज विदिशा, समीन खान उर्फ फन्ने खान निवसी कौशाम्बी पश्चिम शरीरा, राकी निवासी विदिशा मध्य प्रदेश और लखन उर्फ काला निवासी ग्वालियर मध्य प्रदेश शामिल हैं। आरोपितों के पास से चोरी के ढाई हजार रुपये बरामद की गई है। थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि इविवि के प्रोफेसर डाक्टर अनुपम पांडेय के घर 12 मई को 50 हजार रुपये नगदी, सोने के गहने, कैमरा आदि सामान चोरी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की मदद से दो बालअपचारी सहित तीन को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया था। अब पांच और आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं सदस्यता

प्रयागराज। अग्रवाल समाज ने अपनी सदस्यता बढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया है। नव निर्वाचित अध्यक्ष पीयूष रंजन अग्रवाल ने बताया कि इच्छुक लोग युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल से संपर्क करके सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं। लोगों की सहूलियत के लिए सदस्यता शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से भी किया जा सकता है। अग्रवाल समाज के वर्तमान सदस्यों की संख्या लगभग 1400 है। अग्रवाल समाज की ओर से पहली बार अग्रसेन युवा शक्ति एवं रत्न पुरस्कार शुरू किया गया है, जिसकी चयन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इस बार वृहद स्तर पर अग्रवाल समाज का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा।

बच्चों को समर्पित होगा पुस्तकालय

प्रयागराज। विशाल संकल्प संस्था ने बच्चों को पुस्तकालय से जोड़ने के लिए एक पहल की है। इसके लिए महकने दो नाम से बाल पुस्तकालय की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन मंगलवार को पद्मश्री से सम्मानित डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल के हाथों से कराया जाएगा। आयोजन संस्था के हर्षवर्धन नगर स्थित परिसर में सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्यकार अजामिल, प्रख्यात चित्रकार रवींद्र कुशवाहा, डॉ. बीके कश्यप, कमलाकांत पांडेय व समाजसेवी ममता सिंह शामिल होंगी। संस्था की अध्यक्ष ऊषा केसरी ने बताया कि बच्चों की उम्मीदों के मुताबिक पुस्तकालय में पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

17 पाठ्यक्रमों की 960 सीटों के लिए होगी प्रवेश परीक्षा

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में 17 पाठ्यक्रमों की 960 सीटों पर प्रवेश परीक्षा के स्कोर पर दाखिला होगा। इन सीटों को दो समूहों (ग्रुप ए व ग्रुप बी) में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में स्नातकोत्तर व्यावसायिक पाठ्यक्रम हैं, जिनमें 300 सीटें हैं। एलएलएम, एमबीए व एमसीए में 40–40 सीटें, एमएससी कृषि एग्रोनाजी, मृदा विज्ञान, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, प्लांट पैथोलाजी, सीड साइंस, एमएससी हार्टीकल्चर फल विज्ञान व सब्जी विज्ञान में 20–20 सीटें हैं। ग्रुप बी में स्नातक एवं एकीकृत पाठ्यक्रम में 660 सीटें हैं। इसमें इंटीग्रेटेड एमटेक एआई एंड डाटा साइंस व बीबीए में 60–60 सीटें हैं।

इलाहाबाद म्यूजिक क्लब ने लांच की वेबसाइट

प्रयागराज। इलाहाबाद म्यूजिक क्लब ने अपनी वेबसाइट www-allahabadmusicclub-com लांच कर दी है। इसका शुभारंभ क्लब के सचिव तरुण भाटिया व तकनीकी सलाहकार प्रशांत प्रताप सिंह ने किया है। जिस पर इलाहाबाद व उसकी सांस्कृतिक विरासत, संगीत की धरोहर और शहर के नामचीन हस्ताक्षरों के बारे में जानकारी लोगों को मिलेगी। साथ ही क्लब के आयोजनों से लेकर अन्य गतिविधियों से जुड़े हर एक पहलुओं से रूबरू हो सकेंगे। क्लब के संस्थापक सदस्य डॉ. घनश्याम मिश्र ने बताया कि क्लब का 12वां वार्षिक समारोह 21 सितंबर को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित किया जाएगा। जिसकी हर जानकारी वेबसाइट पर अपडेट की जाएगी।

कॉल्विन में क्यू-आर कोड से बनेगा पर्चा, जमा होगी फीस

प्रयागराज। कॉल्विन अस्पताल में अब एक रुपये के दवाई के पर्चे से लेकर जांच से संबंधित फीस को क्यूआर कोड के जरिए भुगतान किया जा सकता हैं। साथ ही अस्पताल में एक वार्ड ऐसा भी बनने जा रहा है, जो केवल आयुष्मान के लाभार्थियों के लिए आरक्षित होगा। अस्पताल में आने वाले मरीजों–तीमारदारों की सुविधा के लिए फीवर डेस्क की शुरूआत हुई है। इस डेस्क पर पहले लोगों का बुखार मापा जाता है उसके बाद अस्पताल से संबंधित उसकी समस्याओं का समाधान किया जाता है। वार्डों में नियमित निरीक्षण की गतिविधियों को सोशल मीडिया पर शेयर किया जाता है। अस्पताल में पिछले एक माह में ओआरएस कार्नर, कुपोषित बच्चों के लिए 10 बेड को एनआरसी वार्ड, 14 बेड का डीलक्स प्राइवेट रूम, फीवर हेल्प डेक्स आदि की सुविधाएं शुरू की गयी हैं।

सैकड़ों शिक्षकों का कोड अमान्य, नहीं कर सके आवेदन

प्रयागराज। प्रदेश के 4517 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों, प्रवक्ता और सहायक अध्यापकों के स्थानान्तरण के लिए ऑनलाइन आवेदन को लेकर कई तरह की समस्या हो रही है। मानव संपदा पोर्टल पर सैकड़ों शिक्षकों के कोड या मोबाइल नंबर अमान्य होने के कारण ऑनलाइन आवेदन ही नहीं कर सके। उदाहरण के तौर पर मोतीलाल नेहरू मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज लखनऊ की शिक्षिका ममता सेजवार, बरला इंटर कॉलेज बरला मुजफ्फरनगर के सहायक अध्यापक सेवा सदन, सेठ हरचरण दास गर्ल्स इंटर कॉलेज हाथरस के संस्कृत शिक्षक संतोष सिंह, राजा प्रताप विक्रम शाह इंटर कॉलेज सिंगाही खीरी के शिक्षक कृष्ण अवतार द्विवेदी और श्री नेहरू स्मारक भगवानदास इंटर कॉलेज मैंड हाथरस का मानव संपदा कोड और मोबाइल नंबर अमान्य बता रहा था।

बदहाल सड़क पर भर रहा पानी, बरसात में बढ़ेगी और परेशानी

प्रयागराज। एलनगंज में बदहाल सड़क लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। मार्ग के किनारे नाले की सिल्ट फेंके जाने से गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। नालों में कचरा और पॉलीथीन भरा है। कई जगह अतिक्रमण कर पक्का निर्माण करने से नाला संकरा होता जा रहा है, जिससे सफाई भी नहीं हो पा रही है। बारिश में समस्या और जटिल होने के पूरी आशंका है। लोगों का कहना है कि अरसे बाद महाकुम्भ के दौरान पूर्वांचल चौराहे को जाने वाली सड़क बनी लेकिन कुछ दिनों में ही उसकी हालत बिगड़ गई है और वाहन हिचकोले खा रहे हैं।

सफाई व्यवस्था भी राम भरोसे है, सफाई कर्मी आएंगे तो सफाई होगी अन्यथा कई दिनों तक कचरा फैला रहता है। स्थानीय लोग इन समस्याओं के निदान के लिए बराबर विभागीय अधिकारियों के यहां चक्कर काट रहे हैं लेकिन समस्याओं का निदान नहीं हो रहा है। इलाके में पहुंचने पर लोग व्यवस्था से काफी खिन्न दिखे। लोगों का कहना था कि अगर जिम्मेदार समस्या को गंभीरता से लें तो तत्काल समाधान हो जाए लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। शहर के एलनगंज इलाके में तमाम समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं जिनका निदान होना जरूरी है। लोग समस्या के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं है। एलनगंज से पूर्वांचल चौराहे को जाने वाली रामप्रिया रोड महाकुम्भ के दौरान बनाई गई लेकिन अब उसकी ऐसी हालत है कि चलना खतरनाक हो गया है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं इन गड्ढों से गुजरने वाले वाहन हिचकोले खाते रहते हैं। वहीं एलनगंज चौराहे से अंडरपास को जाने वाली मुख्य सड़क की हालत भी बेहद खराब है। इसे पार करने में पसीने छूट जाते हैं। जरा सी चूक पर गिरकर चोटिल होना तय है। गड्ढों के कारण इस सड़क से वाहन रेंगकर निकलते हैं और हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। इस रास्ते से बड़ी संख्या में लोग ऑफिस, स्कूल–कॉलेज, कोर्ट–कचहरी जाते हैं और व्यवस्था को कोसते रहते हैं। लोगों का कहना है कि बारिश आने वाली है अगर उसके पूर्व सड़क नहीं बनी तो पानी बरसने पर परेशानी और बढ़ जाएगी। यहां के नाले को देखकर लगता

है कि लम्बे समय से सफाई ही नहीं हुई है। नाला चोक है, उसमें कचरा और पॉलीथीन भरा है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। चोक नाले से फैल रही दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों का रहना मुहाल हो गया है। कई जगहों पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किए जाने से नाले संकरे हो गए हैं और उनकी सफाई भी ठीक से नहीं हो पा रही है। लचर सफाई व्यवस्था से लोग गंदगी को लेकर परेशान रहते हैं। मक्खी और मच्छरों की तादात में भी इजाफा लोगों की नींद उड़ा रहा है। समस्या के निराकरण के लिए लोग जोन कार्यालय से लेकर नगर निगम के बराबर चक्कर काट रहे हैं लेकिन जिम्मेदार समस्याओं को लगातार नजरअंदाज करते आ रहे हैं। जल निकासी के लिए नहीं हैं नालियां एलनगंज से बघाड़ा जाने वाले मार्ग पर नालियां ही नहीं बनी है जिससे जल निकासी की समस्या पैदा हो रही है। यहां बारिश में लोगों को जलभराव की समस्या से जूझना पड़ता है। लोगों ने अपने घरों के आगे अपने स्तर से नालियां तो बनाई हैं लेकिन उनसे पानी नहीं निकल सकता क्यों कि पूरे इलाके में नाली नहीं बनी है। लोगों का कहना है कि चोक नाले और जाम नालियों के कारण उन्हें हर साल बारिश के दिनों में जल जमाव की दिक्कत का सामना करना पड़ता है। घरों तक पानी लग जाता है और लोग घर से नहीं निकल पाते। यहां पक्की नालियों के निर्माण के साथ नाला–नालियों की नियमित सफाई की सख्त जरूरत है। लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन उस पर ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों की परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही। नहीं बनी सर्विस लेन, सड़क के किनारे नाले की सिल्ट एलनगंज अंडरपास के बगल एक तरफ तो सर्विस लेन बनाई गई है लेकिन दूसरी तरफ के मार्ग को बिना बनाए ऐसे ही छोड़ दिया गया है। लोगों ने बताया कि इस कच्चे मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना जाना होता है। प्रयागराज स्टेशन जाने के लिए यह मार्ग शार्ट कट का काम करता है। इस कच्चे मार्ग के बगल कई दिनों से नाले की सिल्ट फेंकी जा रही है। कच्चे मार्ग के बगल सिल्ट का ढेर लगा हुआ है और इसी से होकर लोग गुजरते हैं। इस मार्ग के आसपास बड़ी संख्या में लोग रहते हैं और कॉलोनी भी है लेकिन इस सर्विस लेन को बनाने में जिम्मेदार दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर यह सर्विस लेन बन जाए तो लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत हो जाए। शिकायतें –अंडरपास के बगल एक ओर की सर्विस लेन नहीं बनाई गई है, लोग कच्चे मार्ग से आ जा रहे हैं। –नाला चोक पड़ा है, उसमें कचरा और पॉलीथीन भरी हुई है। पानी की निकासी अवरुद्ध हो गई है। –रामप्रिया रोड की हालत बेहद खराब है। सड़क के गड्ढों के कारण वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। –जल निकासी के लिए पक्की नालियां नहीं बनी हैं जिससे बारिश होने पर जलभराव हो जाता है। –चौराहे से अंडरपास को जाने वाली सड़क अरसे बदहाल पड़ी है, जर्जर सड़क पर हमेशा जाम लगता है। सुझाव –अंडर पास के बगल सर्विस लेन का निर्माण कराया जाए। –चोक नाले की सफाई कराकर नियमित उसकी देखरेख की जाए। –रामप्रिया रोड का पुनरु निर्माण कराकर सड़क को गड्ढा मुक्त किया जाए। –जल निकासी के लिए पक्की नालियां बने और जहां नालियां हैं उनकी नियमित सफाई हो। –एलनगंज चौराहे से अंडर पास जाने वाली सड़क का निर्माण कराया जाए। हमारी भी सुनें –– रामप्रिया रोड की हालत बेहद खराब हो गई है, इससे हम लोगों को काफी परेशानी हो रही है। सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसमें फंसकर लोग गिरते रहते हैं। इस सड़क का बनना बेहद जरूरी है।–नितिन यादव बदहाल सड़क से हम लोग काफी परेशान हैं। चाहे वह रामप्रिया रोड हो या फिर अंडरपास जाने वाली मुख्य सड़क, हर जगह गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है। रोड की समस्या का तत्काल समाधान होना चाहिए। – मनोज कुमार कुछ समय पहले ही रामप्रिया रोड बनी थी लेकिन चल नहीं पाई जिससे फिर से समस्या पैदा हो गई है। हजारों लोग इस सड़क से आते–जाते हैं जिन्हें रोज परेशान होना पड़ रहा है। समस्या गंभीर है जिसका निदान जरूरी है।–रवि अंडरपास के पास एक तरफ सर्विस लेन नहीं बनाई गई है जिसके कारण लोगों को कच्चे रास्ते से होकर आना जाना पड़ रहा है। अगर सर्विस लेन बन जाए तो इससे आने जाने वाले हजारों लोगों को राहत मिल जाएगी।–उमेश जहां सर्विस लेन बननी है वहां नाले की सिल्ट फेंकी जा रही है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इसके आसपास आवासीय कॉलोनी है और बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। इससे बीमारी के फैलने का खतरा है।–पवन नाला चोक है, उसमें कूड़ा और पॉलीथीन जमा हुआ है जिससे पानी नहीं निकल पाता। गंदगी और दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले हम लोग काफी परेशान रहते हैं। शिकायत के बाद भी समाधान नहीं हो रहा है।–अनुराग नाला–नालियों की सफाई न होने से गंदगी फैल रही है, बीमारी फैलने का पूरा अंदेशा बना हुआ है। बारिश होने पर जलभराव की समस्या पैदा हो जाएगी। जिम्मेदार अगर ध्यान दें तो समस्या का निराकरण हो जाए।–संतोष यादव एलनगंज अंडरपास के बगल से पूर्वांचल चौराहे तक जाने वाली सड़क दम तोड़ चुकी है। इस सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसमें फंसकर लोग गिरते रहते हैं। सड़क बन जाए तो सैकड़ों लोगों को सहूलियत हो जाए।–छोटे लाल अंडरपास की सर्विस लेन एक तरफ बनी है लेकिन दूसरे हिस्से को ऐसे ही छोड़ दिया गया है। कच्चे रास्ते से होकर लोग आते जाते हैं। अगर सर्विस लेन बन जाए तो लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत हो जाए।–विपिन यादव अंडरपास की सर्विस लेन जहां बननी है वहां नाले की सिल्ट डंप की जा रही है। इससे तमाम समस्या पैदा हो रही है।–दीपक यादव

संविधान बदलने की कोशिश में सरकारः सांसद उज्जवल रमण

प्रयागराज। शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से रविवार को शहर दक्षिणी विधानसभा के करेली स्थित मस्तान मार्केट तिराहे पर संविधान बचाओ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि संविधान देश की आत्मा है। लेकिन सरकार संविधान को बदलने की कोशिश में लगी है।

कांग्रेस देश की जनता की आकांक्षा के अनुरूप भाजपा को हटाकर कांग्रेस को लाने की पहल कर रही है। इस दौरान संविधान बचाओ कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने अघोषित बिजली कटौती और दूषित पेयजल आपूर्ति का मुद्दा उठाया।

सांसद उज्जवल रमण सिंह ने बताया कि बिजली विभाग का निजीकरण किया जा रहा है। इसका सीधा नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि शहर

कांग्रेस के कोऑर्डिनेटर अनिल श्रीवास्तव, फ्रंटल संगठन के कोऑर्डिनेटर राजन दुबे और शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी ने अपनी बात रखी।

कार्यक्रम के अंत में अहमदाबाद में हुए प्लेन हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च निकाला गया। संचालन प्रवक्ता हसीब अहमद ने किया। इस दौरान मुकुंद तिवारी, हरिकेश त्रिपाठी, नफीस अनवर, सुष्मिता यादव, अरशद अली, प्रदीप नारायण, जिया उबैद, मानस शुक्ला, मो. हसीन, प्रदीप द्विवेदी, अकबर खान, अनूप त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सिविल लाइंस की आबोहवा हो गई बेहद खराब

प्रयागराज। प्रचंड गर्मी के बीच चल रही तेज हवा और आंधी से शहर की आबोहवा तेजी से खराब हो रही है। शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र सिविल लाइंस और तेलियरगंज की आबोहवा बेहद खराब हो गई है। शहर के दोनों क्षेत्र रेड जोन में आ गए हैं। शहर में रुक–रुक कर आ रही आंधी के चलते सिविल लाइंस का पीएम–10 (मोटी धूल) की मात्रा 350 के करीब पहुंच गई। गंगा किनारे तेलियरगंज क्षेत्र की हवा में धूल बढ़ने से पीएम–10 की मात्रा 425 हो गई। वहीं झूंसी का पीएम–10 भी 200 के करीब है। तेलियरगंज में पीएम–10 की मात्रा सिविल लाइंस से अधिक है, लेकिन शहर के सबसे पॉश क्षेत्र का औसत पीएम–10 सामान्य से ऊपर बना हुआ है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से सिविल लाइंस, तेलियरगंज और झूंसी में लगाए गए प्रदूषण मापने वाले यंत्र में दर्शाए जा रहे आंकड़ों पर गौर करें तो सांस, हृदय और एलर्जी से पीड़ित लोगों के लिए सिविल लाइंस और तेलियरगंज में बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

के सुझाव में भी कहा गया है कि एक्यूआई 400 से अधिक होने पर सामान्य लोगों को भी सांस लेने में परेशानी हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से जारी किए जा रहे अलर्ट के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक तेज हवा चलेगी। ऐसे में हवा में मोटी धूल का उड़ना भी तय है। नगर निगम के पर्यावरण अभियंता उत्तम कुमार वर्मा ने बताया कि हवा में धूल का प्रभाव कम करने के लिए सड़कों की सफाई के साथ वाहनों से पानी का नियमित छिड़काव किया जा रहा है। पौधों की भी सिंचाई की जा रही है। फिर भी तेज हवा और आंधी में धूल बढ़ी है तो पानी का छिड़काव बढ़ाएंगे। प्रयागराज में प्रदूषण शहर का औसत रू एक्यूआई रू 99 सिविल लाइंस औसत एक्यूाई रू 111 पीएम 2.5 40–99 पीएम–10 40–348 तेलियरगंज औसत एक्यूआई रू 95 पीएम 2.5 रू 36–91 पीएम–10 रू 47–425 झूंसी औसत एक्यूआई रू 92 पीएम 2.5 रू 39–88 पीएम–10 रू 52–182 ये हो सकती है समस्या 100 – 200 एक्यूआई रू सांस लेने में परेशानी 201 – 300 एक्यूआ रू सांस की समस्या से जल्द छुटकारा नहीं 301–400 एक्यूआई रू सांस और हृदय रोगियों को उलझन 401–00 एक्यूआई रू सामान्य लोगों को भी सांस लेने में परेशानी और गंभीर रोगियों के लिए घातक

नहीं खुल सका प्रतियोगी छात्र साहिल की मौत का राज

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्र साहिल यादव के आत्महत्या के दो दिन बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल सका। साहिल के दोस्त तरुण से भी पुलिस को कुछ खास जानकारी नहीं मिल सकी। अब सारी उम्मीद मोबाइल की जांच पर टिकी है। फॉरेंसिक टीम की जांच रिपोर्ट में खुलासा होने की संभावना है। प्रतापगढ़ जिले के हथिगहां के दलापुर धीमी का 20 वर्षीय साहिल कैंट के बेली कॉलोनी में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता था। साहिल शनिवार की सुबह कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला था। उसने खुदकुशी क्यों की, इस रहस्य से पर्दा नहीं उठ सका। घरवालों ने भी पुलिस को तहरीर देकर आशंका जताई है। संदेह के घेरे में साहिल का दोस्त फतेहपुर निवासी तरुण पाल है। इसकी वजह साहिल द्वारा उसे भेजा गया 'अलविदा दोस्त मैसेज है। तरुण ने ही सबसे पहले साहिल को फांसी पर लटका देखा था और उसके परिजनों को सूचना दी थी। मामले के विवेचक मनीष कुमार उपाध्याय ने रविवार को तरुण पाल से पूछताछ की, लेकिन कुछ खास जानकारी नहीं मिल सकी। तरुण के मुताबिक घटना वाली रात साहिल से उसकी बातचीत हुई थी, लेकिन बिल्कुल भी ऐसा नहीं लगा था कि वह जान दे सकता है। जांच में यह बात भी पता चली है कि साहिल ने मौत से पहले महिला मित्र को भी देर रात कॉल किया था, लेकिन बात नहीं हो सकी थी। महिला मित्र कौन है, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। साहिल के घरवाले भी विवेचक से मिले और घटना के बारे में बात की। साहिल के चचेरे भाई सोनू यादव ने बताया कि उन्हें निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिला है। पुलिस के अनुसार साहिल के मोबाइल का व्हाट्सएप लॉक है। उसके खुलने पर कुछ जानकारी मिल सकती है।

शिक्षकों–प्रधानाचार्यों के हजारों पद दबा ले गए अफसर

प्रयागराज। प्रदेश के 4512 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के ऑनलाइन स्थानान्तरण के लिए हजारों रिक्त पदों की सूचना प्रबंधकों और अफसरों ने पोर्टल पर अपलोड नहीं की। शिक्षा निदेशालय की ओर से पिछले साल शासन को भेजी गई सूचना के मुताबिक इन कॉलेजों में सहायक अध्यापकों या प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) के स्वीकृत 70803 पदों में से 20999 और प्रवक्ता के स्वीकृत 22220 पदों में से 4703 खाली हैं। प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापकों के 4512 पदों में से महज 1679 पद भरे हुए हैं और आधे से अधिक 2833 खाली हैं। इस प्रकार शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के कुल 28,535 पद रिक्त हैं।

इनमें से तीन साल पहले विज्ञापित टीजीटी–पीजीटी के 4163 पदों को हटा दें और ऑफलाइन तबादले के लिए चार हजार पदों पर अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी होना मान लिया जाए तो भी 20 हजार से अधिक पदों का विकल्प शिक्षकों को ऑनलाइन आवेदन लिए मिलना चाहिए। हालांकि प्रबंधकों और जिला विद्यालय निरीक्षकों ने शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के कुल 6104 पद ही पोर्टल पर प्रदर्शित किए हैं। शहरी क्षेत्र के अधिकांश स्कूलों के प्रबंधकों ने रिक्त पदों की सूचना नहीं भेजी है ताकि ऑफलाइन तबादले की एनओसी के नाम पर कमाई कर सकें। माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के प्रदेश महामंत्री लालमणि द्विवेदी का कहना है कि प्रदेश के लगभग साढ़े चार हजार एडेड माध्यमिक विद्यालयों में से 40 से 50 प्रतिशत में प्रधानाचार्य के पद रिक्त हैं किंतु ऑनलाइन में केवल डेढ़ सौ विद्यालय प्रदर्शित हो रहे हैं। प्रयागराज के 181 विद्यालयों में से केवल दो विद्यालय के प्रधानाचार्य का पद रिक्त दिखाया गया है।

तीर्थ नगरी में देवीय आपदा का कहर, आधा दर्जन घायल

मोरना। तीर्थ नगरी मे आंधी तूफ़ान के कारण भारी जनहानि हुई है। वहीं बारिश के बीच झोपड़ी पर पेड़ गिर जाने से कई ग्रामीण घायल हो गये। घायलों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। शुकतीर्थ ग्राम प्रधान पति राजपाल सैनी ने बताया की रविवार को आंधी तूफ़ान के कारण तीर्थ नगरी भारी नुकसान हुआ है। मार्गो के किनारे खडे पेड़ टूट गये जिनका मलबा पड़ा हुआ है। आश्रम के टिन शेड आदि टूट गये हैं। गन्ने सहित

सब्जी की फ़सले तबाह हो गयी हैं। तथा जंगल मे बनी झोंपड़ी पर पेड़ गिर जाने से कई व्यक्ति घायल हो गये हैं। किन्तु प्रशासन ने अभी तक तीर्थ वासियो की कोई सुध नहीं ली है।ग्रामीण सोनू सैनी ने बताया आंधी तूफ़ान से डरकर वह झोंपड़ी जा बैठे थे की आकाश मे बिजली की गरजन हुई और एक पेड़ टूटकर झोंपड़ी पर गिर गया जिससे वह तथा वहां उपस्थित अन्य व्यक्ति भी घायल हो गये, सोनू सैनी ने बताया की उसकी रीढ़ की हड्डी मे चोट आई है डॉक्टर ने महंगा उपचार बताया है। वह मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। घायल ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

तूफ़ान में गिर गयी आश्रम की विशाल दीवार, टला हादसा

मोरना। रविवार को आये आंधी तूफ़ान के बीच आश्रम की सेंकड़ो मीटर लम्बी दीवार भर भरा कर सड़क की ओर गिर गयी जिससे बड़ा हादसा टल गया। आश्रम संचालिका ने दीवार के नीचे गोबर के ढ़ेर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग प्रशासन से की है। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे स्थित श्रीसच्चा

प्रकाश आश्रम की संचालिका साध्वी पूजा रानी ने बताया की आश्रम की बाउंड्री वाल के नीचे अनेक व्यक्तियों ने गोबर के बहुत सारे ढ़ेर लगाये हुए हैं। जिस कारण बाउंड्री वाल लगातार कमजोर होती रही। आश्रम की दीवार व मुख्य द्वार के सामने फैली गंदगी को हटवाने के लिए वह कई बार उपजिलाधिकारी कार्यालय सहित सभी संबंधित सरकारी कार्यालयों मे शिकायत कर चुकी हैं किन्तु कोई सुनावाई नहीं हुई है। रविवार सुबह बारिश के बीच सेंकड़ो मीटर लम्बी दीवार गिर गयी जिससे बड़ा हादसा टल गया व आश्रम को लाखों का आर्थिक नुकसान हुआ है। कोई भी सरकारी कर्मचारी नुकसान का आंकलन करने नहीं आया है। साध्वी ने प्रशासन से दीवार के नुकसान का मुआवजा दिलाने व आश्रम के सामने गोबर डालकर गंदगी फेलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की माँग की है।

विद्युत मोटर चोरी करने वाला तमंचे के साथ गिरफ्तार

भोपा। शुकतीर्थ मार्ग पर पुलिस ने गश्त के दौरान जंगल में नलकूप पर मोटर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा, 3700 रूपये व मोटर चोरी करने के लिए उपकरण बरामद किए। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने

बतायाकि बीते रविवार शाम को उप निरीक्षक रणबीर सिंह अपनी टीम के साथ शुकतीर्थ मार्ग पर गश्त कर रहे थे कि रजवाहे की पुलिया के पास एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस ने रोककर उसकी तलाश ली तो उसके पास से एक तमंचा, कारतूस व एक थैला में प्लास, पेंचकश, पाइप आदि सामान बरामद किए। पूछताछ में उसने अपना नाम काला उर्फ धर्मेंद्र निवासी शुकतीर्थ बताया। पुलिस ने उससे से सख्ती से पूछताछ की तो उसने स्वीकार किया कि 20 मई की रात में उसने भोपा के जंगल में गुरदास वालिया की नलकूप से विद्युत मोटर चोरी किया था तथा बाद में उसे बेच दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी कोजेल भेजा गया है।

भोपा में शानदार फुटबाल का खिलाड़ियों ने किया प्रदर्शन

भोपा। भोपा में दो दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय टीमों सहित, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, मेरठ सहारनपुर, अंबाला,गाजियाबाद, मुरादाबाद, हरिद्वार आदि की टीमों ने प्रतिभाग किया।जहां खिलाड़ियों ने शानदार खेल का

प्रदर्शन कर दर्शकों की वाह वाह लूटी। जनता इंटर कॉलिज भोपा के मैदान मे आयोजित पहले सेमीफाइनल में भोपा की टीम ने सहारनपुर की टीम को दो गोल से मात दी। दूसरे सेमी फाइनल में पेनल्टी के माध्यम से मेरठ की टीम ने अंबाला की टीम हराया। रेफरी की जिम्मेदारी हर्षित, मनीष, विनीत चौधरी, मनोज कुमार, राहुल शर्मा, कुलदीप कुमार आदि ने निभाई। मोनू शर्मा, गुलशेर, डॉ विनीत कुमार, मनोज सैनी, अंकुर, कुलदीप, हर्षित, अंकित राठी, रूपक राठी, आदि कमेटी आदि के लोग सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ नीता शर्मा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी के मुख्य अतिथि अवधेश कुमार अग्रवाल, दिल्ली से, अति विशिष्ट राकेश कुमार चौहान, उत्तर प्रदेश से, विशिष्ट अतिथि नवीन राणा, गुरुग्राम से जुड़े।

यह काव्य गोष्ठी 15 जून, 2025 को रविवार को शाम 6.30 बजे गूगल मीट पर ऑनलाइन आयोजित की गई। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ डॉ अनिता पंडा द्वारा मधुर गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से की गई और गोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन मल्लिका दे ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, नीता शर्मा, मल्लिका दे विष्णु और अनुपमा प्रधान ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सार्थक प्रतिक्रियाओं द्वारा सबको प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही नीता शर्मा ने सभी कलमकारों की रचनाओं पर प्रतिक्रिया देकर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में अनुपमा प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने खादर काँवड मार्ग का किया निरीक्षण

मोरना। आगामी काँवड यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए शिव भोलो के लिए यात्रा को सुगम बनाने के प्रयासों मे जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा खादर क्षेत्र के काँवड मार्ग का औपचारिक निरिक्षण किया गया व निर्माणधीन पुलियो के कार्य को शीघ्र सम्पन्न करने की हिदायत लोक निर्माण विभाग के अधिकारियो की गयी साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया।

मोरना–लकसर मार्ग पर स्थित मजलिसपुर तौफीर व महाराज नगर मे मार्ग का औपचारिक निरिक्षण जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल द्वारा रविवार को किया गया। जहां ग्रामीणों ने मार्ग पर बन रही पुलियो के निर्माण कार्य को मानको के अनुरूप न होने कार्य बहुत धीमा होने तथा पुलियो के अधूरे पड़े कार्य से क्षेत्रवासियो को हो रही परेशानी से अवगत कराया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने बताया की जुलाई माह मे काँवड यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने को

शासन प्रशासन तैयारियो मे जुट गया है। मोरना लकसर मार्ग से भी शिवभक्त काँवड लेकर गुजरते हैं। मजलिसपुर तौफीर व महाराजनगर मे दो पुलियो का निर्माण जारी है।कार्य को मानको के अनुरूप व शीघ्र पूरा करने को लेकर लोकनिर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनिल राणा से बात की गयी तथा मौक़े पर आये अवर अभियंता देवप्रकाश से कार्य के बारे मे जानकारी कर कार्य को एक सप्ताह मे पूर्ण करने को कहा गया है। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया की अधूरे पड़े पुलियो के निर्माण से क्षेत्र वासियो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बड़े वाहनो को पुरकाजी क्षेत्र से होकर गुजरना पड़ रहा है। छोटे वाहन भी कीचड मे धंस रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष से सभी समस्याओं के शीघ्र निवारण का आश्वासन ग्रामीणों को दिया।

गैलरी कलेक्शन प्रदर्शनी समापन धूमधाम से मना

कला जगत के लिए शुभ संकेत, गैलरी से दस पेंटिंग की बिक्री हुई जिसमें से चार पेंटिंग अमेरिका गई

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी करैली प्रयागराज में खानम आर्ट गैलरी कलेक्शन कला प्रदर्शनी का समापन समारोह धूमधाम से मनाया गया। प्रदर्शनी में 10 पेंटिंग्स की बिक्री भी हुई है। खास बात यह कि इनमें से चार पेंटिंग्स अमेरिका जा रही हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अहमद अली, विशिष्ट अतिथि में हमीदिया डिग्री कॉलेज की प्राचार्या नसीहा उस्मानी तथा जजिंग पैनल में शामिल सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के ख्यातिलब्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, एमिनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद तथा कैलीग्राफी कलाकार मुसाब आदिल रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी मेहमानों एवं जजिंग पैनल को बैच लगाकर, पुष्प गुलाब एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की संयोजक एवं गैलरी निदेशक डॉ जाहेदा ख़ानम ने सभी को धन्यवाद दिया और कहा हमारा मिशन कलाकारों की रचनात्मकता को मंच प्रदान करना और हर घर कला को पहुंचाना है। अंत में संचालन कर रहे तलत महमूद ने सभी मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत व धन्यवाद किया।

इस मौके पर प्रदर्शनी के दौरान आयोजित समर कैंप, लोक कला, कैलिग्राफी व अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों एवं विजेताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण–पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए ।

अयोध्या में बन रहा आधुनिक वीवीआईपी गेस्ट हाउस

पीएम–सीएम तक के रहने की होगी विशेष सुविधाये

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सांस्कृतिक पुनर्जागरण की सोच के चलते भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या केवल धार्मिक महत्व तक ही सीमित नहीं रही बल्कि यह एक आधुनिक और वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रही है। मुख्यमंत्री ने केवल श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। अयोध्या के सर्वांगीण विकास को मिशन मोड में आगे बढ़ाया है। राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद देश–विदेश से वीआईपी और वीवीआईपी मेहमानों का आगमन बढ़ रहा है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, विदेशी राजनयिक, उद्योगपति, फिल्म अभिनेता, संत– महात्मा और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल अब नियमित रूप से अयोध्या पहुंच रहे हैं। अयोध्या की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाई मिली है। बढ़ती भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अयोध्या में अत्याधुनिक वीवीआईपी गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।यह गेस्ट हाउस प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और गणमान्य व्यक्तियों के लिए विशेष सुविधाओं से लैस होगा। यह भव्य गेस्ट हाउस माझा मीरपुर क्षेत्र में 14,510 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में बनाया जा रहा है। परियोजना को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन ईपीसी मोड के तहत तैयार किया जा रहा, जिसकी अनुमानित लागत 9,375.46 लाख रुपये है। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी राज्य संपत्ति विभाग ने लोक निर्माण विभाग को सौंपी है। खंड–2 के अधिशाषी अभियंता उमेश चंद्र के अनुसार इस परियोजना के लिए 3,281.41 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है। निर्माण कार्य मई 2025 से शुरू हो चुका है और इसे नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वीवीआईपी गेस्ट हाउस में 47 सुइट और 77 स्टैंडर्ड रूम होंगे जो आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगे। प्रत्येक कमरे में उच्चस्तरीय साज–सज्जा, आधुनिक शौचालय और मेहमानों की सुविधा के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गेस्ट हाउस को छह ब्लॉकों ए से एफ में विभाजित किया गया है, जिसमें अलग–अलग श्रेणियों के मेहमानों के लिए विशेष व्यवस्थाएं होंगी। मुख्यमंत्री ब्लॉक में प्री–कास्ट कंक्रीट पीसीसी का कार्य पूरा हो चुका है, राफ्ट के साथ स्टील बाइंडिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। रेजिडेंशियल ब्लॉक में खोदाई का कार्य प्रगति पर है।राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

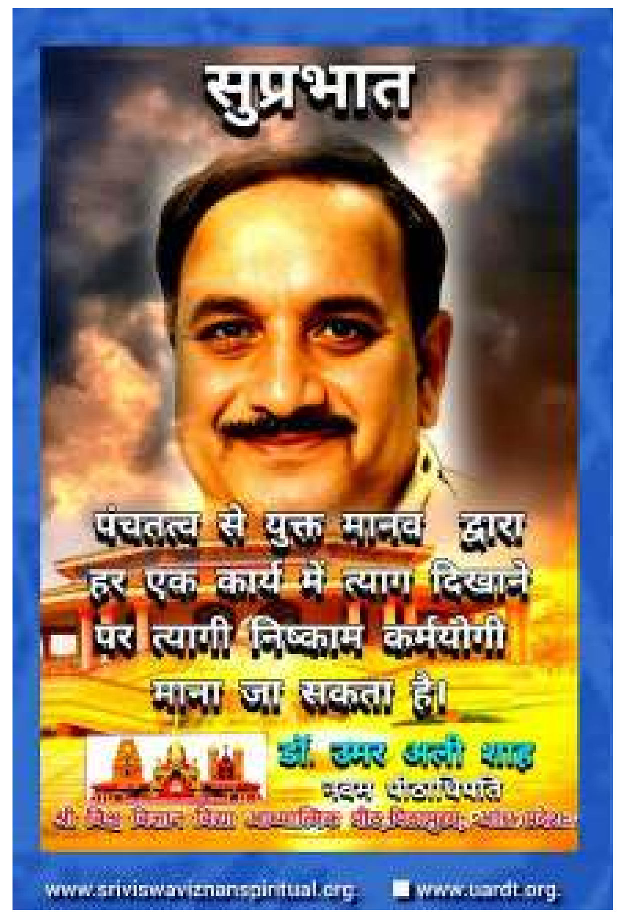

केसर आम

(कुण्डलिया)

ख़ास महक अरु स्वाद से, मिली जिसे पहचान।
उसको केसर आम कह,दुनिया करे बखान।
दुनिया करे बखान, बताती किस्सा इसका।
गूदा है रसदार, सुनहरा पीला जिसका।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी गुजराती ग्राहक।
रखते हैं अनुराग, आम की निज ख़ास महक।।

भारत के गुजरात में, गिरि के मीठे आम।
आमों की इक किस्म है,श गिरि केसरश है नाम।
शगिरि केसर' है नाम, जिसे केसर भी कहते।
जूनागढ़ में जन्म, नवाबों से थे पलते।
सुन लो कहें प्रदीप, ग़ज़ब है इनकी आगत।
बनकर मधुर प्रसंग, जोड़ता है यह भारत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

95 किलो की पूर्वा बनी ब्यूटी गर्ल

डॉं तुषार को मिला विशेष सम्मान

मुजफ्फरनगर। हादसे में दोनों पैरों की हड्डियां टूटने एवं बेडरेस्ट करने से 70 किलो की लड़की पूर्वा का वजन बढ़कर 95 किलो हो गया था। पूर्वा के पिता चिन्तित एवं परेशान होकर

अनेकों डाक्टरों से ईलाज कराकर तथा वज़न घटाने के सप्लीमेंट्स खिलाकर थक चुके थे दुखी एवं परेशान होकर उन्होंने विश्व ख्याति प्राप्त कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा के सुपुत्र आर्यपुरी स्थित अल्फा वारियर्स जिम ऑनर डॉ तुषार शर्मा से समस्या बताई क्वालीफाई इंस्ट्रक्टर/जिम ऑनर डॉ तुषार शर्मा ने इस चुनौती स्वीकार किया तथा इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए मात्र एक वर्ष में थेरेपी द्वारा दोनों पैरों को ठीक करने के साथ ही आधुनिकतम मशीनों पर व्यायाम कराकर 95 किलो से 33 किलो वजन घटाकर पूर्वा को 62 किलो की ब्यूटीफुल गर्ल बना दिया यही नहीं आज पूर्वा का इतना स्टेमिना बन चुका है कि वह अपने पारिवारिक कार्यक्रमों में एक घंटा निरंतर डांस करके सभी को पीछे छोड़ देती है। आज मुज़फ़्फ़रनगर की होनहार बेटी पूर्वा उन सभी युवतियों एवं महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी है जोकि अपने बढ़ते वजन ज्वाइंट पेन एवं कमजोर मसल्स आदि से निराश होकर तथा दवाइयाँ खाकर अपना जीवन व्यतीत कर रही थीं। ब्यूटी गर्ल पूर्वा इस कामयाबी एवं भारी सफलता का सारा श्रेय अपने गुरु अल्फा वारियर्स जिम ऑनर डॉ तुषार शर्मा को देती है।

नोएडा इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

नोएडा। शहर समता विचार मंच.नोयडा इकाई की महिला काव्य गोष्ठी प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा के दिशा निर्देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्यअतिथि 'अवंतिका विशाल ' रहीं। 'उमेश श्रीवास्तव ने कर्यक्रम का अध्यक्ष पद संभाला। संयोजन जिलाध्यक्षा प्रवीणा त्रिवेदी ने संभाला यह काव्य गोष्ठी शाम 6 बजे से 7 बजे तक चली जिसका शुभारंभ प्रवीणा ने किया उन्होंने ही सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति व माल्यार्पण किया' और अपनी एक सुंदर प्रस्तुति भी दी।

इस काव्य गोष्ठी में सभी बहिनों ने अपनी अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये।चाहे वो प्रवीणा त्रिवेदी जी का रचना 'सिंदूरी मिशन' हो या अवंतिका जी की रचना हो या मनोरमा जी की बेहतरीन ष्ग़ज़लष हो या बहिन अवंतिका जी की रचना 'शहीदों' के लिए हो या अरुण जी की रचना 'ग़ज़ल' हो या शिवानी चन्द्रा जी की 'ग़ज़ल' हो

कुल मिलाकर सभी की रचनाओं ने एक सुंदर सा समां सा बाँध दिया।

पूरा आयोजन बहुत ही सुंदर बन गया। आयोजन का समापन प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा ने ही किया। आयोजन के लिए गूगल मीट का तरीका अपनाया गया।

सम्पादकीय.......

वैश्विक संकट खड़ा कर रहे युद्ध

वैश्विक स्तर पर लगभग प्रतिवर्ष किसी न किसी राष्ट्र के बीच युद्ध और गृह युद्ध ने तबाही का मंजर ही दिखाया है। इन युद्धों के बाद इंसान की मौतों और उनके विस्थापन की संख्या अब चौकाने लगी है। एक लम्बे अरसे तक चले रूस ब्रिटेन युद्ध ने भारी तबाही का दौर देखा है। हजारों लाखों में मौते और अरबों खरबों की सम्पत्ति नष्ट होने के साथ उस युद्ध असर वैश्विक स्तर पर पड़ा है। आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या पिछले वर्ष के अंत में नौ फीसद से बढ़ कर 7.35 करोड़ हो गई है । गृहयुद्ध से जूझ रहा से सूडान तो दुनिया के सबसे बड़े विस्थापन संकट का केंद्र बन गया है, जहां संघर्ष के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। अब इजरायल और ईरान के बीच जो जंग छिड़ गई है। उसका तात्कालिक असर भी दिखने लगा है। रूस और ब्रिटेन के बीच संघर्ष के इन पहले आठ वर्षों में नौसैनिक घटनाएं और साइबर युद्ध भी शामिल थे। फरवरी 2022 में, रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किया और देश के अधिक हिस्से पर कब्जा करना शुरू कर दिया था, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़ा संघर्ष कहा गया। अब इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अचानक हमला करके सबको चौंका दिया है, जिससे क्षेत्र में अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिका ने इस कार्रवाई में अपनी भागीदारी से इनकार किया है। इसके जबाब में ईरान ने इजरायल पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। यही नही ईरानी अधिकारियों की तरफ से अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस के सैन्य ठिकानों पर हमले की धमकी दी गई है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13: बढ़ गईं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, यह लगभग तय माना जा रहा है कि ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया ।ईरान ने माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यह बात भी सच है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। रविवार को दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इजरायल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है। अगर ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप इजरायल तक सीमित रखता है तो ठीक वरना अगर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता तो खतरनाक होगा। क्योकि यहां से 21 प्रतिशत ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। वैश्विक स्तर पर आए दिन होने वाले युध्द्धों को परिणाम स्वरूप आम आदमी को अपना घर–बार छोड़ कर दूसरी जगह ठिकाना तलाशने की मजबूरी जीवन की डगर को और कठिन बना देती है। ऐसे लोगों के पास विस्थापन का दर्द झेलने के अलावा और कोई विकल्प नहीं रह जाता है। यह किसी एक देश की बात नहीं है, बल्कि दुनिया भर में विभिन्न कारणों से विस्थापित होने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजंसी की एक रपट के मुताबिक, दुनिया में जबरन विस्थापितों का आंकड़ा 12.2 करोड़ से अधिक हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20 लाख अधिक है। बीते दशक की अपेक्षा लगभग दोगुना है। लोगों के विस्थापन के लिए युद्ध, आंतरिक हिंसा और उत्पीड़न मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं ।गौरतलब है कि वर्तमान में दुनिया में मुख्य रूप से दो मोर्चों पर आमने–सामने का युद्ध हो रहा है। इनमें रूस–यूक्रेन और इजराइल– हमास और अब इजरायल और ईरान में संघर्ष चल रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हताहत भी हुए हैं। निकट भविष्य में इस युद्ध का अंत होने के आसार अभी नजर नहीं आ रहे हैं। इजराइल–हमास के बीच युद्ध में ईरान का हस्तक्षेप भी किसी से छिपा नहीं है।

वैवाहिक संबंधों में निर्ममता से मिटता भरोसा

डॉ. मोनिका शर्मा

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

भारतीय समाज के ढांचे में वैवाहिक संबंधों की क्रूरता किसी एक व्यक्ति या परिवार का किस्सा नहीं होती। ऐसे वाकये समग्र समाज के लिए बहस व चिंता और चर्चा का विषय बन जाते हैं। साथ ही ढहा देते हैं भरोसे की बुनियाद। जिस समाज में स्त्रियां जीवनसाथी के दुर्व्यवहार और जानलेवा हमलों को झेलती आई हैं, वहां अब पति की जान ले लेने की घटनाएं भी होने लगी हैं। हालिया दिनों में सामने आई जीवनसाथी को मौत के घाट के उतार देने वाली भयावह योजनाएं स्तब्ध करने वाली रहीं। इंदौर के नवविवाहित जोड़े से जुड़ी घटना का हर पक्ष अब तक आम लोगों को अविश्वसनीय सा लग रहा है। मेघालय के शिलांग में हनीमून पर गए राजा रघुवंशी हत्याकांड में बहुत से खुलासों के बाद पत्नी सोनम द्वारा पति की हत्या करवाने की बात स्वीकारना कितने ही परिवारों का भरोसा डिगाने वाला है। यहां तक कि सोनम का परिवार भी उसके साथ नहीं है। बीते दिनों मेरठ में भी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। इस मामले में युवती के माता–पिता ने ही उसके लिए कठोर दंड की मांग की। कर्नाटक के हसन जिले में एक महिला ने अवैध संबंध छिपाने के लिए अपने परिवार को जहर देकर मारने की कोशिश की। इन्हीं दिनों फरीदाबाद में पत्नी पर शक के चलते एक व्यक्ति ने अपने चार बच्चों के साथ ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसे मामलों के बहुत से उलझाऊ पक्ष भी हैं। ऐसी घटनाएं सामाजिक–पारिवारिक विखंडन की बानगी हैं। समाज–परिवार वैवाहिक सम्बन्धों में बर्बरता के मामलों में युवक–युवतियों की दिशाहीनता को लेकर चिंतित हैं। जीवनसाथी के साथ वीभत्स कारनामे करने का यह दुस्साहस आखिर कहां से आ रहा है? शादीशुदा जीवन में साथ देने का भाव कहां खो गया है? प्रेम विवाह कर घर बसाने वाले भी साथ निभाने की समझ से दूर हो रहे हैं। इन स्थितियों को दायित्व निर्वहन से भागने की मनःस्थिति से जोड़कर ही देखा जा सकता है। यह पीढ़ी मन ना मिलने पर वैवाहिक रिश्ते में अलगाव का रास्ता चुनने के बजाय अपराध कर बैठने का मार्ग पकड़ रही है। यह सिलसिला पारिवारिक व्यवस्था की नींव ढहाने वाला है। भयावह यह कि ये घटनाएं आक्रोश भर नहीं बल्कि सोची–समझी रणनीति के तहत जीवनसाथी बने व्यक्ति की जान लेने के दुस्साहस को सामने रखती हैं। विवाह व्यवस्था के छीजते हालात को सामने रखती हैं। ध्यातव्य है कि मेरठ जिले में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मारने के बाद शव के टुकड़े कर ड्रम में रखकर चिनाई करा दी। योजना पिछले साल से ही बनाई जा रही थी। यह बर्बरता करते हुए अपनी पांच वर्षीय बेटी के भविष्य की भी चिंता नहीं की। वहीं इंदौर की घटना में भी नवविवाहिता ने पति की जान लेने के लिए 20 लाख सुपारी दे डाली। शादी की रस्मों के बीच हत्या की रणनीति बनाती रही। कहीं पति द्वारा पत्नी और कहीं पत्नी द्वारा पति की बर्बर हत्या के मामले अब आम हो चले हैं। ऐसे अधिकतर मामलों के पीछे अवैध संबंध, लालच या साथी से छुटकारा पाने जैसे कारण हैं। अब युवतियां भी भटकाव का शिकार हो रही है। बिखराव भरा मानस न केवल पारिवारिक सम्बन्धों से जुड़े दायित्व बोध से दूर कर रहा है बल्कि स्वयं को संभालने की सोच भी नदारद है। सशक्त होने की गलतफहमी में दूसरों पर भावनात्मक निर्भरता बढ़ रही है। शिक्षित–सजग और तकनीकी दुनिया में हर जानकारी जुटा लेने वाली युवतियां अपने ज्ञान का इस्तेमाल अपनों ही नहीं, कानून को भी गुमराह करने में कर रही हैं। हालिया योजनागत आपराधिक घटनाएं नकारात्मक सोच की अति का उदाहरण हैं। विफल विवाह से विषाक्त हुई मनःस्थिति की बानगी हैं, वहीं सम्बन्धों में अव्यावहारिकता की भी तस्दीक करते हैं। ऐसे मामले विशेषकर अवैध रिश्तों के चलते साझे साथ में आत्मीय जुड़ाव खत्म हो जाने का परिणाम हैं। वैश्विक डेटा एजेंसी बेडबाइबल रिसर्च सेंटर 2023 की रिपोर्ट कहती है कि 23 फीसदी लोग किसी न किसी रूप में अपने साथी को धोखा दे रहे हैं व 60 प्रतिशत मामले किसी नजदीकी मित्र या सहकर्मी से शुरू होते हैं। भारत समेत एशियाई–यूरोपीय देशों जुड़े इस अध्ययन में सामने आया है कि शादी के 7 साल बाद महिलाएं पति के प्रति और विवाह के 3 साल बाद पति अपनी पत्नी के साथ धोखेबाजी की सोच रखने लगते हैं। आखिर क्यों साझी यात्रा में अविश्वास जगह बना लेते हैं ? किसी की जान लेने की युक्तियां खोजने वाले युवा कानूनी ढंग से अपने रास्ते अलग करने की समझ नहीं जुटा पाते। एक उलझाऊ रिश्ते से निकलने के बजाय दूसरे दिशाहीन करने वाले सम्बन्धों में उलझते जाते हैं। तलाक, आत्महत्या के ऐसे मामले भी तेजी से बढ़े हैं, जिनकी वजह रिश्ते में शक का जगह बना लेना है ।जिंदगी के वास्तविक सच को समझने–स्वीकारने का भाव ही नदारद है। वर्चुअल दुनिया में गुम युवाओं ने मानो जिंदगी को भी रील ही समझ लिया। युवा पीढ़ी यह भूल रही है कि रिश्तों में निबाह के लिए समर्पण का भाव आवश्यक है, भरोसे के भाव को पोषण मिलना जरूरी है। कुछ समय पहले उच्चतम न्यायालय द्वारा कहा गया था कि सहनशीलता और सम्मान शादी की बुनियाद है। शादी में दायित्वों का भान और भरोसा ना हो वैवाहिक संबंध डगमगाने लगता है। छोटी–छोटी बातों पर पति–पत्नी अपनी राहें अलग कर रहे हैं। ऐसे में साथ, संवाद और संवेदनाएं ही अहम हैं। ऐसा न होने पर वैवाहिक रिश्ते में बंधे पति–पत्नी को समझना चाहिए कि नकारात्मक गतिविधिा को अंजाम देने से बेहतर अलग होने की सही राह चुन लें। दुखद है कि उलझते रिश्तों के अधिकतर मामलों में आपसी समझ से कोई रास्ता नहीं निकल पाता है। कानूनी दबाव तो ऐसे संबंधों को पुनर्जीवन दे ही नहीं सकता। खासकर विवाहेत्तर सम्बंधों का परिणाम तो भयावह अपराधा रूप में ही होता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2001 से 2017 के बीच प्रेम सम्बंध और विवाहेतर सम्बंध हत्याओं के पीछे दूसरा सबसे बड़ा कारण रहे। वर्चुअल माध्यमों ने भ्रमित करते इन सम्बन्धों को पोषण दिया है। कुछ वर्ष पहले हुए एक सर्वे के अनुसार एक्स्ट्रा–मैरिटल डेटिंग एप ग्लीडेन पर करीब 8 लाख भारतीयों ने पंजीकरण कराया था। ऐसे में साथी की जान लेने की योजनाएं बनाने के बजाय व्यावहारिक समझ रखते हुए अलग हो जाना दोनों ही पक्षों के जीवन को सहज बना सकता है।

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

नीरज कुमार दुबे

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार–पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक–दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इज़राइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान–इज़राइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इज़राइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे। वैसे ईरान ने इज़राइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इज़राइल को "डि–फैक्टो" मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे–धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई। हम आपको यह भी बता दें कि इज़राइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रज़ा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक–दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इज़राइल को तेल की ज़रूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के ज़रिए इज़राइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इज़राइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950–70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे। इसके अलावा, इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही "Trident" परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इज़राइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इज़राइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई। हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन च्स्ट को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है। वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय–समय पर आती

रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला। इजराइल ने सीधा हमला करने से पहले ईरान के हमास और हिज्बुल्ला जैसे सहयोगियों की कमर तोड़ी और पिछले कुछ महीनों में कई अभियानों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता को भी परखा, उसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गयी। बहरहाल, देखा जाये तो 1948 से 1970 तक का ईरान–इज़राइल संबंध एक ऐसा अध्याय है जो आज के उथल–पुथल भरे पश्चिम एशिया की राजनीति में लगभग भुला दिया गया है। इस काल में दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और आर्थिक संबंध थे, जो आज की स्थिति को देखते हुए विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। वैसे ईरान और इज़राइल का वह गुप्त मैत्री संबंध इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन नहीं होते, केवल हित और परिस्थितियाँ ही दोस्त या दुश्मन बनाती हैं।

कबीर की वाणी से लिखी गई हरियाणा के विकास की नयी कहानी

मनोहर लाल

12 जून 2022 को मैंने बतौर मुख्यमंत्री हरियाणा के सीएम आवास का नाम बदलकर संत कबीर कुटीर रखने का ऐलान किया था। वह मेरे जीवन का गौरवशाली पल था। मैंने अपने जीवन में कबीरदास जी से जो सीखा, समझा, जाना और जितना उन्हें अपने कार्यों में उतार पाया उसकी संपूर्ण झलक हरियाणा सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों में आज भी

स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है। इसका ही यह परिणाम है देश में हरियाणा को विकास के नए मॉडल के तौर पर भी अलग से पहचान मिल चुकी है। सबसे पहले संत कबीरदास जी के विचारों से प्रेरित होकर हमारी सरकार ने 'हरियाणा एक–हरियाणवी एक' के संकल्प को जन जन तक पहुंचाया। उसके बाद अंत्योदय भावना के साथ जाति–पाति से ऊपर उठकर हर वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाओं पर काम शुरू किया। इसमें समाज के अंतिम व्यक्ति की उपेक्षा व पीड़ा को प्राथमिकता के साथ सबसे आगे रखा गया ताकि समाज में समानता, समरसता की संस्कृति का जुडाव मजबूत हो जाए। 26 अक्तूबर, 2014 को प्रदेश के शासन की बागडोर जब पहली बार सम्भाली थी तो उस समय प्रदेश में निराशा, अविश्वास, कुण्ठा, अवसाद और आक्रोश का माहौल था। भाई–भतीजावाद, क्षेत्रवाद का बोलबाला था। भ्रष्टाचार का नासूर प्रशासन के हर स्तर पर फैला हुआ था। ऐसी परिस्थितियों में कबीरदासजी के सिद्धांतों ने ही हमारी कार्यप्रणाली को नयी राह दिखाई। जिस पर चलते हुए भाजपा सरकार ने क्रांतिकारी कदम उठाते हुए घर बैठे सभी परिवारों के परिवार पहचान पत्र बनाकर 397 योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया को बेहद आसान बना दिया। आज अनेक राज्य हमारी परिवार पहचान पत्र योजना का अनुसरण कर रहे हैं। हमने बीपीएल की वार्षिक आय सीमा 1.20 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये कर अधिक से अधिक परिवारों को योजनाओं के लाभ के दायरे में लाने का काम किया। कबीरदास जी महज एक नाम नही वह मानवता की एक पूरी कहानी है। इसलिए वे अपनी वाणी में समाज में जिस अंतिम व्यक्ति की चिंता करते थे। उसी को ध्यान में रखते हुए चिरायुध्आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों को पांच लाख रुपये तक का सालाना मुफ्त इलाज की सुविधा को शुरू किया गया। मानवता को मानवता की ओर ले जाने वाले कबीरदास जी के विचारों का ही प्रभाव रहा की हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा की वार्षिक आय, बेटियों की शादी पर शगुन राशि तथा बीपीएल परिवारों को मकान मरम्मत के लिए सहायता राशि को दो से तीन गुणा कर दिया। सुशासन में नयी पहल की प्रेरणा भी इस महान संत की वाणियों से मिलती रही जिसकी बदौलत प्रदेश के नागरिकों में यह विश्वास पैदा किया है कि सरकार उनकी है और वे सरकार के हैं। हमने अंत्योदय सरल पोर्टल के माध्यम से 54 विभागों की 675 योजनाएं और सेवाओं को ऑनलाइन किया। इसी तरह मेरे उपरांत वर्तमान में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार भी इसी महान संत के विचारों को आत्मसात कर जातिवाद, क्षेत्रवाद और भाई–भतीजावाद से ऊपर उठकर अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं पर तेजी से काम कर रही है। कबीर जी की वाणी ने हमेशा सभी इंसानों को एक समान मानते हुए उन्हें समानता का आचरण करने पर बल दिया। जात–पात का विरोध करते हुए उन्होंने प्रभु भक्ति का जो महान संदेश दिया, उसको सदियों तक याद किया जाएगा। कबीर जी ऐसे पहले सन्त हुए, जिन्होंने लोगों को व्यावहारिक जीवन शैली की भी शिक्षा प्रदान की। उन्होंने जुलाहे के तौर पर कपड़े बुनने का कार्य करते हुए न केवल परिवार का पालन–पोषण किया बल्कि संप्रदायों, जातियों और मतों को मानने वाले लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने का भी कार्य किया। उनकी शिक्षाओं और सिद्धांतों पर चलते हुए हमें अपने जीवन का उत्थान करना चाहिए। इसलिए आप सभी को भी अपने स्तर पर सामाजिक बदलाव के लिए प्रयासरत रहना चाहिए ताकि प्रत्येक कमजोर व्यक्ति समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सके।

मेरी सगी बहन भी एयर इंडिया में, मैं भी उसके साथ रोई हूं..

"रीम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नोट शेयर करते हुए अपनी बात रखी और बताया कि यह घटना उनके लिए कितनी निजी और तकलीफदेह रही है।

प्लेन क्रैश पर ट्रोलिंग के बाद रीम शेख ने तोड़ी चुप्पी, कहा–यह कोई सामान्य गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में कई लोगों की जानें चली गईं, जिस पर आम नागरिक से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक हर कोई रिएक्ट करता नजर आया। वहीं, जब इस हादसे के बारे एक्ट्रेस रीम शेख को पूछा गया तो वो चुप्पी साध गईं। जैसे ही उनका यह वीडियो वायरल हुआ, लोग उन्हें जबरदस्त तरीके से ट्रोल करने लग गए। इन सबके बीच अब रीम ने अपनी सफाई पेश की है। रीम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नोट शेयर करते हुए अपनी बात रखी और बताया कि यह घटना उनके लिए कितनी निजी और तकलीफदेह रही है। रीम ने लिखा– "जो लोग मुझे ट्रोल कर रहे हैं कि मुझे प्लेन क्रैश के बारे में जानकारी नहीं थी, कृपया रुक जाइए। मेरी सगी बहन एयर इंडिया में फ्लाइट अटेंडेंट है। क्रैश की खबर मुझे सबसे पहले मिली थी। मैंने अपनी बहन को इस हादसे के बाद पूरी तरह टूटते हुए देखा है। उसे घर पर रोते हुए देखा है, जब उसने अपने साथी क्रू मेंबर्स की मौत की खबर सुनी। यह मेरे लिए कोई सामान्य न्यूज हेडलाइन नहीं है, बल्कि एक बेहद व्यक्तिगत पीड़ा है।रीम ने अपने नोट में यह भी स्पष्ट किया कि जिस पैपराजी ने उनसे सवाल पूछा, उसने "कल के बारे में कुछ बोलो" कहा था, न कि सीधे प्लेन क्रैश का जिक्र किया। उन्होंने कहारू "अगर मैं दूरी बनाए रखती नजर आई, तो उसकी वजह यह नहीं थी कि मुझे हादसे की परवाह नहीं थी, बल्कि इसलिए थी कि मुझसे सीधे तौर पर उस ट्रेजेडी के बारे में सवाल नहीं किया गया। मैं बिना पूछे किसी इतने संवेदनशील मुद्दे पर कुछ नहीं कहना चाहती थी। मैं आमतौर पर मीडिया से बात करने से बचती हूं। रीम शेख ने इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि जो लोग मुझे असंवेदनशील कह रहे हैं, उनसे मैं कहना चाहती हूं कि मैं कैमरे के सामने रो कर या किसी को दिखा कर दुख नहीं जताती। मैं ऐसी इंसान नहीं हूं। मैं इस तरह से अपना दुख प्रोसेस नहीं करती। अंत में, रीम ने फॉलोअर्स और ट्रोलर्स से अनुरोध करते हुए लिखारू "इस हादसे ने मुझे अंदर से तोड़ दिया है। मेरी बहन इन लोगों के साथ रोज काम करती है। मैंने उसे उन लोगों के लिए रोते हुए देखा है, और मैं भी उसके साथ रोई हूं। कृपया एक छोटे से वीडियो क्लिप के आधार पर किसी को जज न करें। यह एक राष्ट्रीय शोक का समय है, हमें एकजुट रहकर दुख बांटना चाहिए, न कि किसी को नीचा दिखाना। इस वायरल वीडियो में जब एक पैपराजी ने रीम से कुछ कहने की गुजारिश की, तो वह बिना जवाब दिए कैमरे के सामने पोज देती रहीं और वहां से चली गईं। इसके बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स का गुस्सा फूट पड़ा और रीम को इंसेंसिटिव (संवेदनहीन) कहा जाने लगा। कई लोगों ने यह भी कहा कि उन्हें देश के इस दुखद हादसे की कोई परवाह नहीं है।

तेरे बिन एक दिन जैसे, सौ साल हैं.. सुशांत की डेथ एनिवर्सरी पर भावुक हुई अंकिता लोखंडे, यूं किया दिवंगत एक्टर को याद

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके चाहने वाले अक्सर उन्हें याद करते रहते हैं और सोशल मीडिया पर उनके नाम पोस्ट शेयर करते रहते हैं। वहीं, 14 जून को एक्टर 5वीं डेथ एनिवर्सरी पर एक बार फिर उनके करीबी, दोस्त और फैंस उन्हें याद करते और श्रद्धांजलि देते नजर आए। इस बीच अब सुशांत की एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे ने भी उन्हें याद करते हुए एक खास पोस्ट शेयर किया, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अंकिता लोखंडे ने सुशांत सिंह राजपूत को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इस पोस्ट में अंकिता ने टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' की सुशांत संग अपनी एक फोटो शेयर की और इस पर 'खैरियत पूछो, कभी तो कैफियत पूछो, तुम्हारे बिन दीवाने का क्या हाल है? दिल मेरा देखो, ना मेरी हैसियत पूछो, तेरे बिन एक दिन जैसे, सौ साल है, अंजाम है तय मेरा३' गाना लगाया। बता दें, एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती से पहले सुशांत सिंह राजपूत एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे को डेट कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों ने एक–दूसरे को 6 साल तक डेट किया। साल 2016 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था और राहें अलग गईं। सुशांत और अंकिता की मुलाकात टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' के सेट पर हुई थी और यहीं से दोनों एक–दूसरे के करीब आए थे। बताते चले, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत का निधन हो गया था और वो मुंबई में अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे। उनकी अचानक मौत की खबर ने उस वक्त सबको हैरान कर दिया था।

दीपिका पादुकोण के स्पिरिट विवाद पर काजोल ने दी अपनी प्रतिक्रिया, कहा–मैं शुरू से साफ थी कि मैं निश्चित समय तक ही..

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मां को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म की रिलीज से पहले एक्ट्रेस जमकर इसे प्रमोट करने में जुटी हैं। इसी बीच हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान काजोल ने इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही चर्चा पर अपनी राय दी। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी भी 20 या 30 घंटे लगातार काम नहीं किया और हमेशा काम और निजी जिंदगी में संतुलन बनाए रखा। इसमें उनके परिवार और निर्माताओं ने उनकी बहुत मदद की। काजोल ने एक इंटरव्यू में कहा कि 1990 के दशक में जब उन्होंने एक्टिंग करियर शुरू किया, तभी से उनके लिए काम और निजी जिंदगी में बैलेंस बनाना जरूरी था। उन्होंने कहा, ष्मैं उन कुछ स्टार्स में से थी, जो एक समय में सिर्फ एक फिल्म पर काम करते थे। मैं कभी चार फिल्में एक साथ नहीं करती थी। मैं एक फिल्म पूरी करती थी, फिर दूसरी शुरू करती थी। मैंने कभी 20 या 30 घंटे काम नहीं किया। मैं शुरू से साफ थी कि मैं एक निश्चित समय तक ही काम करूंगी। मेरी मां (तनुजा) ने भी इस मामले में मेरा बहुत साथ दिया। दरअसल, हाल ही में डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट को लेकर दीपिका पादुकोण ने लिमिटड वर्किंग आवर्स की डिमांड की थी, जिस पर सहमति न बनने के कारण उन्होंने फिल्म छोड़ दी। इस खबर ने इंडस्ट्री में काम के घंटों पर बहस छेड़ दी। इस पर काजोल ने कहा कि जब उनकी बेटी न्यासा का जन्म हुआ, तब उन्होंने भी ऐसी ही बात की थी। उन्होंने बताया, ष्मुझे याद है, मैंने यह चर्चा की थी और ज्यादातर निर्माता इतने सहयोगी थे कि उन्होंने इस पर दो बार नहीं सोचा। काजोल ने अपने पुराने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए कहा कि जब भी उनकी निजी जिंदगी में मुश्किलें आईं, फिल्म निर्माताओं ने उनकी स्थिति को समझा और जरूरत पड़ने पर उन्हें सेट से जल्दी जाने की इजाजत दी। यू मी और हम (2008) फिल्म की शूटिंग के दौरान काजोल के पिता अस्पताल में थे और उनकी बेटी न्यासा सिर्फ दो साल की थी। यह उनके लिए मुश्किल समय था, लेकिन फिल्म के निर्माता और उनके पति अजय देवगन ने सब कुछ मैनेज किया। काजोल ने बताया, अजय ने यह सुनिश्चित किया कि मैं जल्दी घर जा सकूं ताकि मैं अस्पताल जा सकूं। इस तरह हमने काम और जिंदगी में संतुलन बनाया। फना फिल्म को भी काजोल ने बिना किसी दिक्कत के पूरा किया गया। उन्होंने कहा, सबने मेरे शेड्यूल के हिसाब से काम किया। इसे कॉन्ट्रैक्ट में लिखने की जरूरत भी नहीं पड़ी। मेरे अनुभव बहुत अच्छे रहे हैं। ज्यादातर लोग समझते हैं और आपके हिसाब से काम करते हैं। काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो उनकी हॉरर–थ्रिलर फिल्म मां 27 जून को रिलीज होगी। यह फिल्म विशाल फुरिया ने डायरेक्ट की है। काजोल ने बताया कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए खास अनुभव रहा है।

डॉन 3 से हुई कियारा आडवाणी की छुट्टी? कृति सनोन करेंगी रणवीर सिंह के साथ रोमांस

रणवीर सिंह अभिनीत फरहान अख्तर की 'डॉन 3' ने अपनी घोषणा के समय से ही काफी चर्चा बटोरी थी। कियारा आडवाणी को पहले इस एक्शन थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया था, लेकिन अपनी प्रेग्नेंसी के कारण उन्हें यह भूमिका छोड़नी पड़ी। उनके बाहर निकलने के बाद, कई रिपोर्ट्स में यह सुझाव दिया गया कि कृति सनोन उनकी जगह भूमिका निभाएंगी। अब, पपराज़ी द्वारा 'लेडी डॉन' कहे जाने पर कृति सनोन की हालिया प्रतिक्रिया ने फरहान अख्तर की फिल्म में उनके शामिल होने की अफवाहों को और हवा दे दी है। न हाल ही में अपनी बहन और दोस्तों के साथ मुंबई में डिनर के लिए निकली थीं। इस दौरान ही पपराज़ी ने उन्हें 'लेडी डॉन' कहकर पुकारा। यह सुनते ही कृति अपनी गाड़ी के पास पहुँचते समय शरमा गईं, जिसे कई लोगों ने इस बात का सूक्ष्म संकेत माना कि डॉन 3 में काम करने के बारे में बातचीत और योजनाएँ चल रही हैं। जैसा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो से स्पष्ट है, कृति को पैपराज़ी द्वारा क्लिक किया जा रहा था, तभी एक फ़ोटोग्राफ़र ने कहा, ष्कृति जी, डॉन 3. लेडी डॉन। रुकिए न यहाँ पे लेडी डॉनष। हालाँकि कृति ने प्रतिक्रिया न देने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह अपनी मुस्कान को रोकने में विफल रहीं। हालाँकि उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा, लेकिन वह खुशी से झूम उठीं, जो प्रशंसकों को यह विश्वास दिलाने के लिए पर्याप्त था कि नई 'लेडी डॉन' बनने की खबर सही हो सकती है। पिंकविला ने पहले बताया था कि कृति सेनन को जल्द ही इस प्रस्ताव के लिए आधिकारिक स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। एक सूत्र ने पिंकविला को बताया, फ़रहान अख़्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव टीम डॉन 3 में स्क्रीन प्रेजेंस वाली एक अनुभवी अभिनेत्री को कास्ट करना चाहती थी, और कृति सनोन इस काम के लिए बिल्कुल सही थीं।

एटली को सत्यभामा विश्वविद्यालय ने डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा, फिल्ममेकर के लिए गर्व का पल

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एटली के लिए आज का दिन बेहद गर्व और भावनाओं से भरा रहा, जब उन्हें चेन्नई स्थित सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। उसी विश्वविद्यालय से जहां उन्होंने पढ़ाई की थी और निर्देशक बनने का सपना देखा था। यह प्रतिष्ठित सम्मान शनिवार, 14 जून 2025 को आयोजित 34वें दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय की चांसलर डॉ. मारियाजीना जॉनसन ने एटली को डॉक्टरेट की प्रमाण–पत्र और स्मृति चिह्न सौंपा। इस मौके पर एटली की पत्नी प्रिया, माता और पिता भी मौजूद थे, जिससे यह पल और भी खास बन गया। एटली को यह सम्मान भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए दिया गया। राजा रानी से करियर की शुरुआत करने वाले एटली ने थेरी, मर्सल, बिगिल और शाहरुखद्द खघन अभिनीत जवान जैसी एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर सराहा गया। दीक्षांत समारोह में बोलते हुए एटली भावुक हो गए और अपने छात्र जीवन की यादें साझा कीं"जिस विश्वविद्यालय में मैंने कभी एक विद्यार्थी की तरह बड़े सपनों के साथ कदम रखा था, आज वहीं से मुझे यह सर्वोच्च सम्मान मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है। यहीं मैंने विश्वास की ताकत को समझा।"एटली ने विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति स्वर्गीय जेप्पिआर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी"लोग जानते हैं कि जेप्पिआर सर ने मेरी पढ़ाई में मदद की थी, लेकिन उन्होंने उससे कहीं ज्यादा किया उन्होंने मेरी रचनात्मकता को पहचान दी। मैंने एक बार उनसे कहा था कि मैं एक शॉर्ट फिल्म बनाना चाहता हूं। उन्होंने बस इतना कहा, 'कैमरा उठाओ और जल्द ही निर्देशक बनो।' वही पल मेरी जिंदगी बदल गया।अपने भाषण में एटली ने अपने परिवार का भावुकता से जिक्र किया "मेरे माता–पिता ने तब तक मेरा साथ दिया जब तक मैं फिल्ममेकर नहीं बन गया। लेकिन जिसने मुझे गढ़ा है, वो मेरी पत्नी प्रिया एटली हैं। और जिसने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है, वो मेरा बेटा है।" जवान की 2023 में हुई ऐतिहासिक सफलता के बाद अब एटली अपने अगले निर्देशन की तैयारी में हैं एक हाई ऑक्टेन पैन इंडिया एक्शन ड्रामा जिसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में होंगे। यह फिल्म फिलहाल रु।|22• |6 के कार्य शीर्षक से बन रही है और इसे कलानिधि मारन की सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। एक कॉलेज के सपने देखने वाले छात्र से भारत के सबसे भरोसेमंद निर्देशकों में शुमार होने तक की यात्रा में, एटली ने साबित कर दिया है कि जो सपना देखने की हिम्मत करता है, वो उसे पूरा भी कर सकता है। सत्यभामा विश्वविद्यालय से मिली डॉक्टरेट की उपाधि उसी साहस और समर्पण का उज्ज्वल प्रमाण है।

खुशी से झूम उठेंगे हैदराबाद वाले, आईआरसीटीसी ने निकाला सबसे सस्ता टूर पैकेज

अगर आप दोस्तों या परिवार के साथ यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बता दें आईआरसीटीसी ने शुरुआत की है सस्ते टूर पैकेज की। यह टूर पैकेज हैदराबाद के लोगों के लिए है। चलिए आपको इसकी पूरी जानकारी देते हैं।

समर वैकेशन चल रही हैं, ऐसे में बच्चे भी कहीं न कहीं घूमने के लिए जिद कर रहे हैं। अगर आप परिवार या दोस्तों के साथ घूमने की सोच रहे हैं। तो यह लेख सिर्फ आपके लिए है। दरअसल, भारतीय रेल ने लोगों के सुविधाओं के लिए कई टूर पैकेज की व्यवस्था शुरु की है। इन सस्ते टूर पैकेज के साथ आप भी अपने परिवार के साथ मस्त जगह पर घूम सकते हैं। चलिए आपको इसकी जानकारी शेयर करते हैं।

हैदराबाद से मुरुदेश्वर, श्रृंगेरी और उडुपी टूर पैकेज

– IRCTC के इस टूर पैकेज की शुरुआत 18 जून से होने जा रही है।

– हर मंगलवार को इस पैकेज के लिए टिकट बुक कर सकते हैं।

– यह टूर पैकेज 5 रात और 6 दिनों का है।

– इस टूर की यात्रा ट्रेन से शुरु होगी और घूमने के लिए कैब की सुविधा मिलेगी।

– दो लोगों के साथ यात्रा करने प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 19000 रुपये है।

– अगर आप स्लीपर कोच में सफर करते हैं, प्रति व्यक्ति 16010 रुपये देने होंगे।

– बच्चों के साथ यात्रा करने पर आपको अलग से 8240 रुपये देने होंगे।

– इस पैकेज में होटल और खाने–पीने की सुविधा शामिल है।

– अधिक जानकारी के लिए आप भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट से टिकट बुक कर सकते हैं।

हैदराबाद से तिरूमला और तिरूपति टूर पैकेज

– यह टूर पैकेज सबसे सस्ता है।

– इस पैकेज की शुरुआत 21 जून से होने जा रही है, इसके बाद आप हर दिन इस पैकेज से यात्रा कर पाएंगे।

– यह 3 रात और 4 दिनों का टूर पैकेज है।

– पैकेज में आपको ट्रेन और कैब से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

– दो लोगों के साथ यात्रा करने पर यह पैकेज प्रति व्यक्ति 9570 रूपये है।

– स्लीपर कोच में यात्रा करने पर आपको मात्र 7720 रूपये देने होंगे।

– बच्चों के साथ यात्रा करने पर आपको अलग से 5000 रुपये देने होंगे।

हैदराबाद से गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और श्रीनगर टूर पैकेज

– इस पैकेज की शुरुआत 19 जून से हो रही है।

– यह 5 रात और 6 दिनों का टूर पैकेज है।

– दो लोगों के साथ यात्रा करने प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 52930 रुपये है।

– बच्चों के लिए सिर्फ 41210 रुपये है।

– पैकेज में आपको फ्लाइट से यात्रा करवाई जाएगी।

लू से बढ़ रही है हाई ब्लड प्रेशर की समस्या, जानें इसके लक्षण

बढ़ती गर्मी देशभर में अपना कहर दिखा रही है। ऐसे में तेज हीट वेव्स की वजह से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। हाई ब्लड प्रेशर जिसे साइलेंट किलर भी कहते हैं, ये इतनी खतरनाक बीमारी है कि यह इंसान को मौत की तरफ भी धकेल सकती है। हाई बीपी या हाइपरटेंशन के मरीजों को कई बार यह समझ नहीं आता कि उनका ब्लड प्रेशर हाई है। ऐसे में हम आपको आज इसके लक्षण बताएंगे और कुछ ऐसी बातें जिनका आपको खास ध्यान रखने की जरूरत हो सकती है।

गम्भीर सिरदर्द

घर–दफ्तर के काम, पेट से जुड़ी समस्याएं, नींद की कमी और तनाव जैसे कारणों से लोगों को सिरदर्द की समस्या होती है। लेकिन हाई बीपी के मरीजों को भी सिरदर्द होता ही है। जब ब्लड प्रेशर बहुत हाई हो जाता है तो गम्भीर या असहनीय सिरदर्द होने लगता है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें और सही इलाज के लिए पूछें।

एडी में सूजन

लंबे समय में यह अतिरिक्त प्रयास आपके हृदय की मांसपेशियों को मोटा बना सकता है। यह अंततः आपकी एड्डी में तरल पदार्थों का निर्माण करते है, जिससे वे सूज जाते हैं। देखा गया है कि पैरों को ऊपर उठाकर बैठने से आपका रक्त अधिक स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होता है और सूजन को कम करने में मदद मिलती है। लेकिन वक्त रहते इसे अपने डॉक्टर से परामर्श करना बेहत विकल्प है।

सांस लेने से जुड़ी समस्याएं

कोरोना के बाद से सांस लेने से जुड़ी परेशानियों को नजरअंदाज ना करने की सलाह दी जाती हैं। लेकिन, सांस लेने में दिक्कतें आना हाई बीपी का भी एक महत्वपूर्ण लक्षण होती हैं। यह एक गम्भीर लक्षण है बीपी की समस्या के आरंभ से ही दिखायी देने लगता है।

इरेक्टाइल डिस्फंक्शन

इसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है, जो शरीर में रक्त के प्रवाह को कम कर देता है। इससे कुछ पुरुषों में इरेक्शन हासिल करना और उसे बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। इसके साथ ही इससे पीड़ित पुरुषों में यौन इच्छा की कमी की समस्या होती है। यदि आप इससे ग्रसित हैं तो तुरंत अपने डॉक्टर से चर्चा करें।

अनियमित हार्ट बीट

अनियमित धड़कन यानि दिल धड़कने की रफ्तार बदलना भी हाई बीपी का एक लक्षण है। अपने डॉक्टर से इस बारे में बात करें और ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए इस बारे में पूरी जानकारी हासिल करें।

बार–बार पेशाब आना है

बार–बार पेशाब और हाई बीपी एक दूसरे से संबंधित होते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, रात में पेशाब करने के लिए उठना उच्च रक्तचाप होने की 40: अधिक संभावना से जुड़ा था।

नजर कमजोर होना

ब्लड प्रेशर अधिक होने पर आंखों की रोशनी भी कमजोर हो जाती है। हाई ब्लड प्रेशर आंखों के रेटिना से जुड़ी नसों को नुकसान पहुंचाता है। जिससे, दिखायी कम देने लगता है।

इन बातों का भी रखें ख्याल

हेल्दी डायट लें

हेल्दी लाइफ के लिए हेल्दी डायट बहुत जरूरी है। अपनी डायट में फ्रेश फल और हरी पत्ते वाली सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट, प्रोटीन, फाइबर युक्त खाने की चीजों को शामिल करें। कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट, साबुत अनाज और जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भरपूर खाने की चीजों को डायट में शामिल करें।

एक्टिव रहना है बेहद जरूरी

हेल्दी रहने के लिए शारीरिक गतिविधि जरूरी है। आपके शरीर की सभी मांसपेशियों की तरह, इसे भी मजबूत और हेल्दी रखने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करना जरूरी होता है। रोजाना कम से कम तीस मिनट एक्सरसाइज करें।

मोटापा करें कम

एक सामान्य बॉडी मास इंडेक्स जो 20–25 है, इसे बनाए रखना बेहद जरूरी है। 25 से ज्यादा बीएमआई होने से आपके हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है। वजन घटाने से आपका ब्लड प्रेशर काफी कम हो सकता है।

थायराइड के मरीज भूलकर भी न खाएं ये चीजें, सेहत पर हो सकता है बुरा असर

गलत खान–पान और बदलते लाइफस्टाइल के कारण आज कल बड़ों से लेकर कम उम्र के लोगों में भी थायराइड की समस्या काफी बढ़ गई है। कई लोग इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो 10 में से 5 लोग इससे जूझ रहे हैं। थायराइड होने पर शरीर में कई तरह के लक्षण दिखते हैं जैसे वजन बढ़ना, तनाव महसूस होना, पीरियड्स का अनियमित होना, सोने में परेशानी, घबराहट और चिड़चिड़ापन। आपको जानकारी के लिए बता दें कि इसके होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे शरीर में आयोडीन की कमी और लंबे समय से थायराइड की कमी के कारण। ऐसे में जरुरी है के आप इस बीमारी को हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज के साथ कंट्रोल करें। ऐसे में हम आपको आज बताएंगे कि थायराइड में मरीजों को किन चीजों का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसी चीजें उनकी सेहत को और भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सोयाबीन

थायराइड के रोगियों को सोयाबीन का सेवन नहीं करना चाहिए। सोयाबीन खाने में से आयोडीन का अवशोषण रोक देते हैं। इसलिए थायराइड होने पर इसे नहीं खाना चाहिए। इसके साथ ही टोफू और सोया मिल्क का सेवन भी थायराइड के मरीजों को नहीं करना चाहिए।

प्रोसेस्ड फूड्स

प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन भी इन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। यह फूड्स शरीर के लिए हानिकारक भी होते हैं और वजन भी तेजी से बढ़ाते हैं। प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है जिसके कारण हार्ट संबंधि बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। प्रोसेस्ड फूड हार्मोन का असुंतलित भी करते हैं।

ग्लूटेन फ्री आटा

कुछ लोगों में थायराइड के कारण शरीर में सूजन और लालिमा हो जाती है। ऐसे लोगों को ग्लूटेन फ्री आटा खाना चाहिए। मुख्यतौर पर घर वाले गेंहू के आटे में ग्लूटेन मौजूद होता है। इसके अलावा थायराइड के मरीजों को जौ और मैदा भी नहीं खाना चाहिए।

क्रूसिफेरस सब्जियां

मोटापा, कब्ज, खराब डाइजेशन में क्रूसिफेरस सब्जियां फायदेमंद मानी जाती हैं परंतु थायराइड के रोगियों का इन सब्जियों का सेवन करने से थायराइड का हार्मोन प्रभावित होता है। ऐसे में फूल गोभी, पत्ता गोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियों का सेवन न करें।

मछली, अंडे से करें परहेज

इन मरीजों को मछली और अंडे की जर्दी से भी परहेज करना चाहिए। यह चीजें भी शरीर में थायराइड का स्तर बढ़ा सकती हैं।

गुड़, शहद और ब्राउन शुगर

गुड़, शहद और ब्राउन शुगर चीनी से ज्यादा हेल्दी होती हैं परंतु थायराइड में भी इन चीजों का सेवन करने से शरीर में इंफ्लेमेशन पैदा हो सकती है। इन चीजों का सेवन करने से शरीर में थायराइड हार्मोन ढंग से रिलीज नहीं हो पाता। इसलिए इनका सेवन न करें।

चाय, कॉफी से बनाएं दूरी

यदि शरीर में थायराइड की मात्रा बढ़ गई है तो कैफीन का सेवन न करें। चाय, कॉफी, सोडा, चॉकलेट का भूलकर भी सेवन न करें। इन चीजों का सेवन करने से दिल की धड़कन तेज होना, चिंता, घबराहट, चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

हाइपर थायरायडिज्म से जूझ रहे मरीजों को हार्मोन्स बढ़ाने वाले फूड्स का सेवन न करें। दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, पनीर, आयोडीन युक्त नमक का सेवन भी न करें।

पुरुषों को भी अपने मेकअप में शामिल करना चाहिए ये प्रोडक्ट, स्टाइलिश होगा लुक

अक्सर लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि लड़कियों और महिलाओं के पास तो मेकअप का सामान होता है, अपने लुक्स को बेहतर बनाने के लिए। वहीं पुरुषों का मेकअप से दूर–दूर तक कोई नाता नहीं होता है। लेकिन ऐसा नहीं है। आज के समय में पुरुष भी महिलाओं की तरह ही अपनी स्किन का खास ख्याल रखते हैं। पुरुष भी यह प्रयास करते हैं कि उनका चेहरा भी दमकता रहे। जैसे महिलाएं कहीं पार्टी या फंक्शन में जाने के दौरान मेकअप करना पसंद करती हैं। ठीक उसी तरह पुरुषों को भी पार्टी या फंक्शन में जाने से पहले मेकअप का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि अधिकतर पुरुषों को यह समझ नहीं आता है, उन्हें कौन–कौन सा मेकअप प्रोडक्ट इस्तेमाल करना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे मेकअप प्रोडक्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हर पुरुष के पास होने चाहिए।

बीबी क्रीमः लड़कियों व महिलाओं की तरह हर लड़के के पास भी बीबी क्रीम जरूर होनी चाहिए। बीबी क्रीम की मदद से स्किन कलर को एक जैसा कर सकते हैं। चेहरे पर कोई दाग–धब्बा हो, तो उसको आप बीबी क्रीम की सहायता से ढक सकते हैं। बीबी क्रीम छोटी होती है, इसलिए इसको आप आसानी से कहीं भी कैरी कर सकते हैं।

कंसीलरः लड़कियों के पास हर लड़के के पास कंसीलर होना बेहद जरूरी होता है। कंसीलर की मदद से लड़के डार्क सर्कल और दाग–धब्बों को छिपा सकते हैं। हालांकि कंसीलर खरीदने के दौरान इतना ध्यान रखें कि यह आपकी स्किन टोन से मैच करता हो।

लिप बाम

आप कितने ही अच्छे से तैयार क्यों न हो, लेकिन यदि होंठ रूखे–सूखे रहेंगे। तो आपका पूरा का पूरा लुक खराब हो सकता है। इसलिए पुरुषों को हमेशा अपने पास अच्छी क्वालिटी वाला लिप बाम जरूर रखना चाहिए।

सेटिंग स्प्रे

मेकअप को सही से सेट करने के लिए सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि अगर आप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो आपका पूरा मेकअप लुक खराब हो जाएगा।

संक्षिप्त

शेयर बाजार में आई गिरावट रुकी, सेंसेक्स–निफ्टी के शेयर उछले

इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ गया है। इस संघर्ष के कारण भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। सुबह भले ही बाजार सुस्ती के साथ खुला था। मगर बाजार खुलने के कुछ मिनट के बाद सप्ताह की गिरावट पर ब्रेक लगा है। मार्केट जब खुला तब बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयर वाला सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी हरे निशान पर कारोबार करता दिखा। इस दौरान पॉवर ग्रिड, भारती एयरटेल समेत कई कंपनियों के शेयर में कारोबार तेजी के साथ हुआ। सोमवार को कारोबार में मिले जुले संकेत देखने को मिले थे। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार की शुरुआत सुस्त हुई है। बीएसई सेंसेक्स 81,034.45 के स्तर पर खुला। इसके बाद तेजी से गिरावट भी देखने को मिली। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस के शेयर सबसे ज्यादा लाभ में रहे। टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई एसएसई कम्पोजिट तथा जापान का निक्की 225 फायदे में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,263.52 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 86.17 प्रति डॉलर पर

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.17 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.16 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 86.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट को दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.11 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.33 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 288.79 अंक की बढ़त के साथ 81,407.39 अंक पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.30 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,263.52 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

पश्चिम एशिया संकट से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, भारतीय तेल और गैस कंपनियों पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते सकंट से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसका असर भारत पर भी देखने को मिल सकता है। खासकर भारतीय तेल विपणन और गैस कंपनियों को वित्तीय दबाव का सामना कर सकती हैं। वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतों में जारी अस्थिरता के कारण कंपनियां मिली–जुली स्थिति का सामना कर रही हैं। आईआईसीआई सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल कच्चे तेल की कीमत 73 से 74 डॉलर प्रति बैरल है। इसके बावजूद तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की आय पर प्रभाव पड़ रहा है। वहीं, अपस्ट्रीम कंपनियों की आय में वृद्धि हो सकती है। अपस्ट्रीम कंपनियां, तेल और गैस उद्योग के शुरुआती हिस्से में काम करती हैं, जो कि जमीन से तेल और गैस निकालने की प्रक्रिया है। इसका गैस कंपनियों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। एलएनजी का संबंध कच्चे तेल से जुड़ा है, अगर कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो एलएनजी की भी कीमत बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि विश्लेषक तेल के बाजारों पर नजर रखे हुए हैं। साथ ही कहा गया कि तेल की कीमतों में यह उछाल वित्त वर्ष 2025 में हुई वृद्धि से अब भी कम है। मौजूदा उछाल पिछले चार साल के औसत से काफी नीचे है। वर्तमान में ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 75 डॉलर प्रति बैरल है। यह विश्लेषकों के वित्त वर्ष 2026 के 68 डॉलर अनुमान से करीब 6–7 डॉलर अधिक है। फिर भी, कच्चे तेल की कीमतें वित्त वर्ष 22–25 के औसत से 9 डॉलर कम और वित्त वर्ष 25 के औसत से 4 डॉलर कम बनी हुई है। मांग में कमी बाजार पर हावी है। हांलाकि, ऊर्जा कंपनियों के शेयर में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार की चिंताओं को दर्शाता है। इसके पीछे होर्मुज जलडमरूमध्य पर गहराता संकट है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, क्योंकि यह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ता है। दुनिया के तेल परिवहन का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। भारत के दो–तिहाई से अधिक तेल आयात और लगभग आधे तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरते हैं।

जॉनसन का कमिंस–स्टार्क और हेजलवुड–लियोन पर निशाना, डब्लूटीसी फाइनल में हार के लिए जिम्मेदार ठहराया

सिडनी। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद देश के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन ने अपने देश के शीर्ष चार गेंदबाजों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कप्तान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन पर ही हार का ठीकरा फोड़ा है। खासतौर पर हेजलवुड पर निशाना साधते हुए जॉनसन ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल की बजाय आईपीएल को प्राथमिकता देने के लिए लोग उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाएंगे। यह पहली बार नहीं है जब जॉनसन किसी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पर सवाल उठाए हैं। इससे पहले वह डेविड वॉर्नर पर भी निशाना साध चुके हैं।

हेजलवुड को लेकर जॉनसन का बयान

हेजलवुड उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल के स्थगित होने के बाद दोबारा शुरू होने पर भारत लौटने का फैसला किया था। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार इस खिताब को जीता। हेजलवुड ने आईपीएल सत्र में 22 विकेट लिए। उन्होंने फाइनल में पंजाब के आक्रामक सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य को चलता किया। आरसीबी की जीत के बाद उन्होंने उन लोगों पर निशाना साधा था, जिन्होंने उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल की जगह आईपीएल को तरजीह देने को लेकर सवाल उठाए थे। हेजलवुड ने कहा था कि कोई मैच खेलने से बेहतर तैयारी कुछ भी नहीं है। हालांकि, जॉनसन उन खिलाड़ियों में जरूर शामिल थे, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से वापस आईपीएल में नहीं जाने की अपील की थी।

हेजलवुड की फिटनेस की समस्या....

अब जॉनसन ने हेजलवुड को इन्हीं सब बातों के लिए घेरा है। हेजलवुड लॉर्ड्स में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी के अहम खिलाड़ी थे। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में सिर्फ दो विकेट चटका पाए। दक्षिण अफ्रीका शनिवार को पांच विकेट की जीत के साथ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। जॉनसन ने 'वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में लिखा, श्हमने हाल के वर्षों में हेजलवुड की फिटनेस को लेकर समस्या देखी है। राष्ट्रीय टीम की तैयारियों के बजाय

विलंबित इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी को प्राथमिकता देने के उनके फैसले ने लोगों को चौंका दिया है।

अपनी विदाई के लिए एशेज का इंतजार कर रहे तो...

स्टार्क, हेजलवुड, कप्तान पैट कमिंस और नाथन लियोन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनका लक्ष्य एशेज के बाद तक अपनी विदाई को जारी रखना है, तो यह गलत मानसिकता है। जॉनसन ने कहा, स्टार्क, हेजलवुड, पैट कमिंस और नाथन लियोन के हमारे सफल बिग फोर गेंदबाजी आक्रमण को भी आगे के लिए तय नहीं माना जा सकता। अगर अनुभवी खिलाड़ी सिर्फ विदाई के लिए एशेज तक के लिए बने रहते हैं, तो इससे सवाल उठता है कि क्या यह सही मानसिकता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम भविष्य को ध्यान में रखें और अपने अगले टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने की ओर कदम बढ़ाएं।श जॉनसन ने खुद भी आईपीएल के छह सत्र का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब (पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 550 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।

युवा खिलाड़ियों को मौका देने का समय है...

उन्होंने तर्क दिया कि युवा सैम कोंस्टास, जोश इंग्लिस और यहां तक कि 36 वर्षीय तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड जैसे खिलाड़ी, जो देश के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब थे, उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिल रही थी। जॉनसन ने कहा, श्सैम कोंस्टास, जोश इंग्लिस और स्कॉट बोलैंड जैसे खिलाड़ियों की मानसिकता अलग है। भले ही बोलैंड 36 साल के हों, लेकिन वह हर बार मौका मिलने पर खुद को साबित करने के लिए उत्सुक रहते हैं।

सभी उम्रदराज खिलाड़ियों की आलोचना नहीं कर रहा हूं...

जॉनसन ने कहा, मैं एक टीम के सभी उम्रदराज खिलाड़ियों की आलोचना नहीं कर रहा हूं, जिसने एक साथ बहुत कुछ हासिल किया है। हमारे स्थापित खिलाड़ियों में बिग–फोर के अलावा उस्मान ख्वाजा, (स्टीव) स्मिथ और (मार्नस) लाबुशेन शामिल हैं, जिन्होंने कुछ बेहतरीन ट्रॉफियां जीती हैं। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज योग्य खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देने का सही समय है।

यह कठिन फैसले लेने का समय है...

जॉनसन ने कहा, यह विचार करना आवश्यक है कि अब कठिन फैसले लेने का सही समय आ गया है। आगामी तीन टेस्ट मैचों का विंडीज दौरा योग्य खिलाड़ियों को चमकने का मौका देने के लिए एक सबसे सही अवसर है। नंबर तीन पर एक विशेषज्ञ खिलाड़ी को ढूंढना बहुत महत्वपूर्ण है और पिछले 18 महीनों में लाबुशेन ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए उन्हें फिर से उसी स्थान पर भेजना उचित नहीं है। एक बार में सभी शीर्ष तीन बल्लेबाजी स्थानों में बदलाव करने की कोशिश करना वास्तव में जोखिम भरा होगा और मुझे नहीं लगता कि चयनकर्ता इस रास्ते पर चलेंगे। वेस्टइंडीज की पिचों के लिए कोंस्टास एक ठोस विकल्प के रूप में उभर रहे हैं, खासकर ख्वाजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ वह अच्छा कर सकते हैं।

स्पिनरों को मदद..., टेस्ट सीरीज से पहले कुलदीप का पिच को लेकर बड़ा दावा, कप्तान गिल पर भी की बात

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि इंग्लैंड का विकेट यानी पिच स्पिनरों के लिए मददगार है। उन्होंने श्इंट्रा स्क्वॉडश अभ्यास मैच के दौरान कहा, विकेट (पिच) स्पिनरों के लिए अच्छा है। यह बल्लेबाजी के लिए भी अच्छा है। पहले दिन नमी थी, तेज गेंदबाजों को मदद मिली लेकिन जैसे–जैसे खेल आगे बढ़ा, स्पिनरों ने मैच में अपना दबदबा बनाया। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। पहला मुकाबला हेडिंग्ले में खेला जाएगा।

अश्विन के बाद जडेजा और कुलदीप पर होगी जिम्मेदारी

अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव को खुद से इंग्लैंड दौरे पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वह रवींद्र जडेजा के साथ काफी समय बिता रहे हैं और अभ्यास कर रहे हैं। अश्विन के संन्यास के बाद जडेजा पर अधिक जिम्मेदारी होगी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है जबकि कुलदीप ने इस देश में एक टेस्ट में सिर्फ नौ ओवर गेंदबाजी की है।

पिच को लेकर कुलदीप का बड़ा दावा

भारतीय टीम ने इंग्लैंड में 2007 के बाद कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करने के लिए टीम को कुलदीप के योगदान की जरूरत होगी। वह लीड्स में खेले जाने वाले शुरुआती मैच में शायद प्लेइंग 11 का हिस्सा ना हो लेकिन बर्मिंघम, लॉर्ड्स और ओवल के मैदानों पर कारगर साबित हो सकते हैं। कुलदीप ने कहा कि उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दौरान पिच से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, इस पिच पर स्पिनरों के लिए उछाल है।

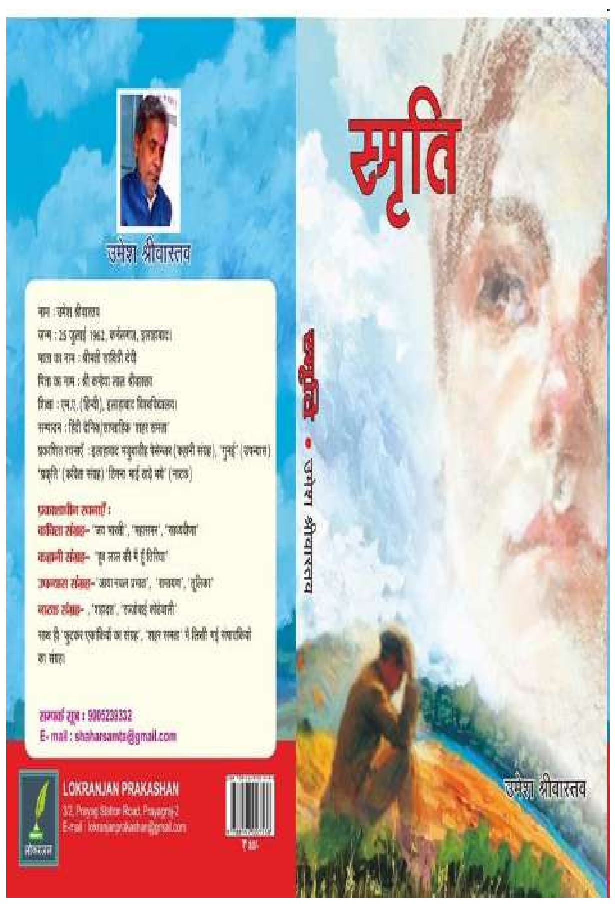

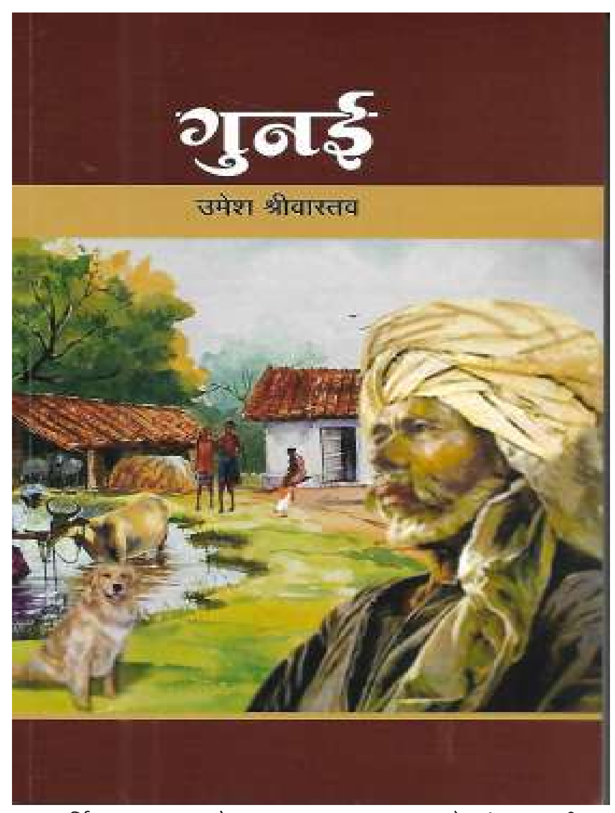

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

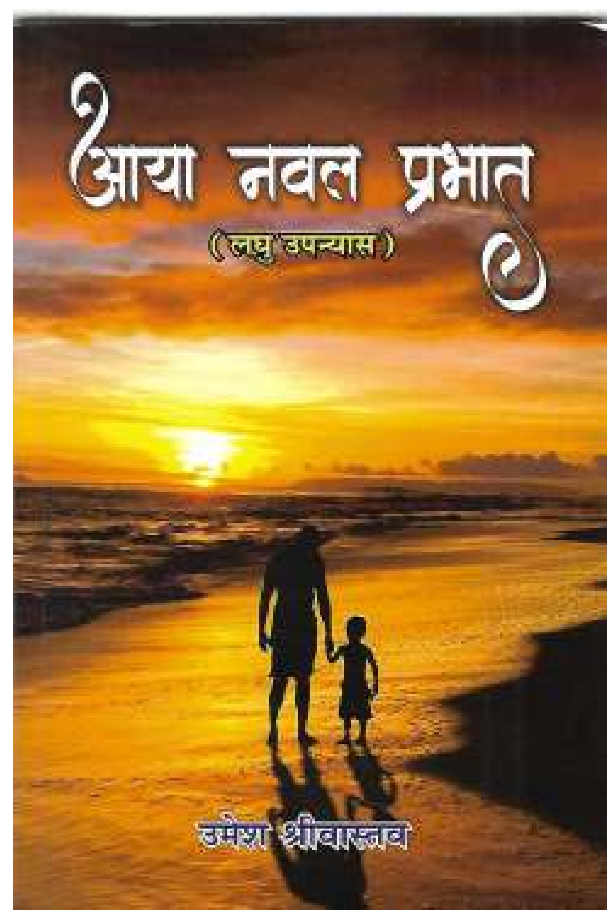

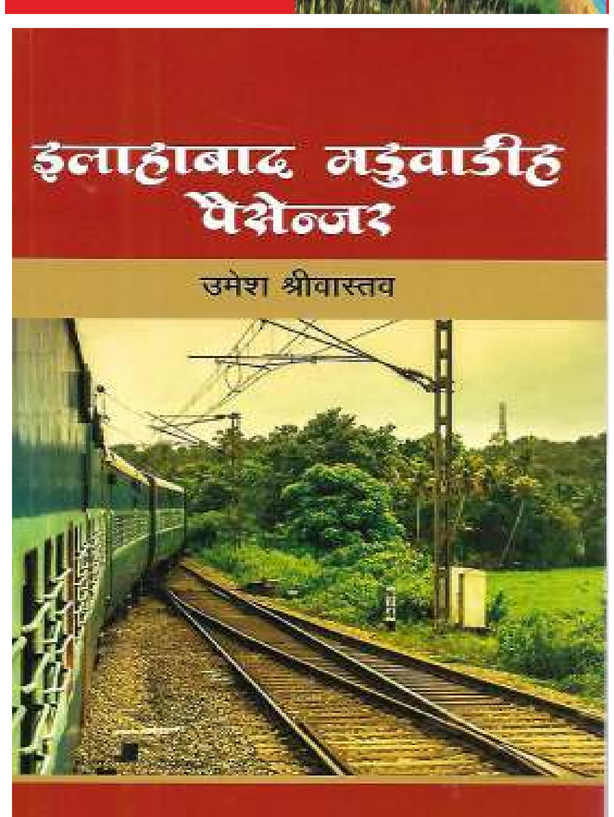

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

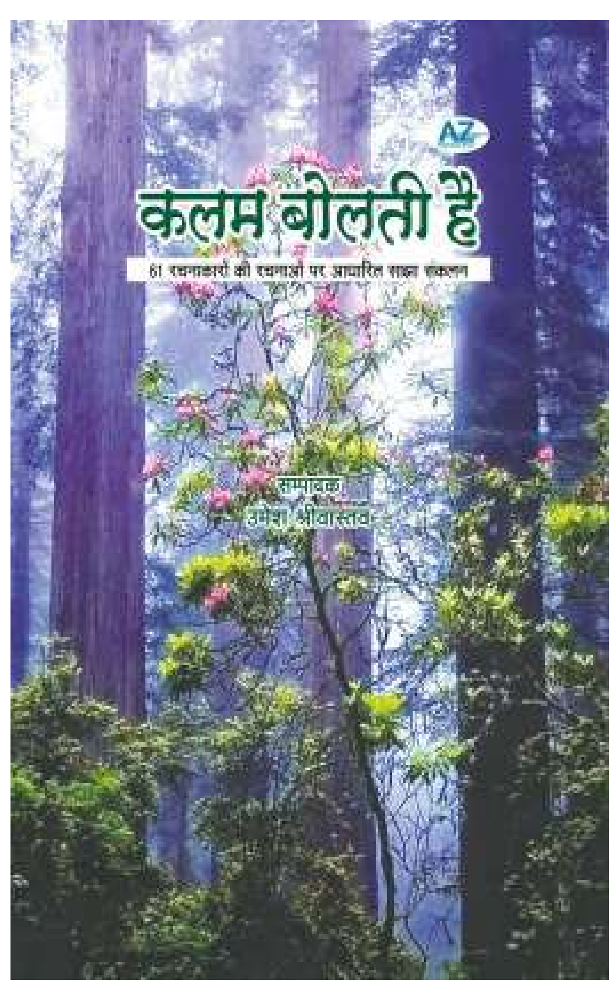

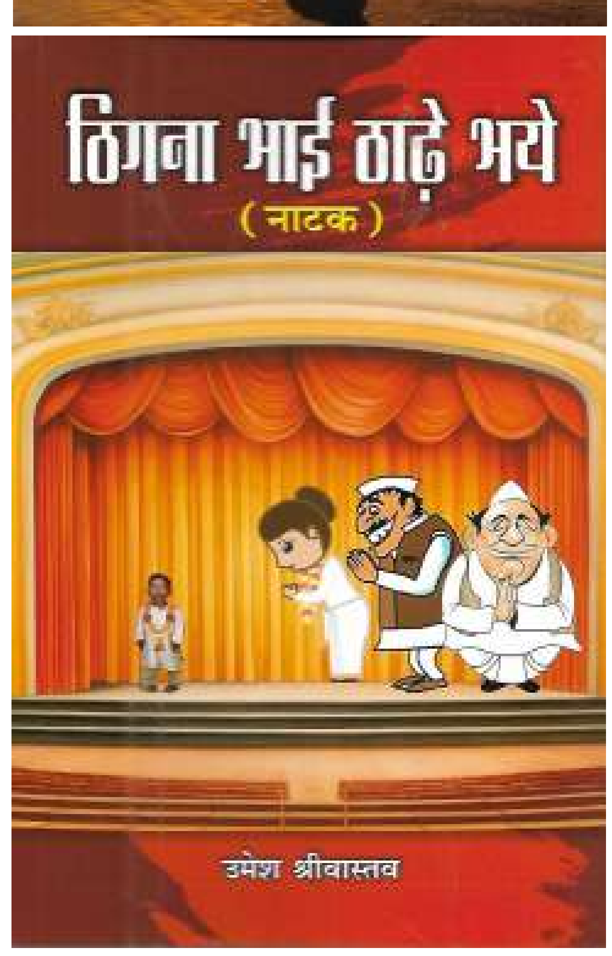

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अचानक बढ़ जाएं पिज्जा ऑर्डर, तो समझ जाओ दुनिया के किसी देश पर मिसाइल गिरने वाला है!

इजरायल और ईरान के बीच हालात तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। लेकिन इन सब के बीच पिज्ज इंडेक्स नाम की एक थ्योरी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि पेंटागन के पास पिज्जा ऑर्डर बढ़ जाने पर दुनिया किसी बड़े हमले या सैन्य एक्शन के लिए तैयार रहे। सुनने में ये थोड़ी अजीब है, लेकिन आंकड़े पूरी कहानी बयां करते हैं। इसे सोशल मीडिया पर 'पिज्जा इंडेक्स थ्योरी' नाम दिया गया है। इस थ्योरी ने सोशल मीडिया पर बवाल काट रखा है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर ये पिज्जा इंडेक्स थ्योरी' है क्या और इसका किसी देश पर हमले से क्या कनेक्शन है?

पेंटागन पिज़्ज़ा इंडेक्स क्या है?

पेंटागन पिज्जा रिपोर्ट नाम के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट ने गूगल मैप्स पर नजर रखकर दावा किया कि ^We, The Pizza*, District Pizza Palace, Domino*s और Extreme Pizza जैसी दुकानों के ऑर्डर अचानक बढ़ गए थे। पोस्ट में लिखा गया कि शाम 6रू59 बजे ईटी तक पेंटागन के आसपास लगभग हर पिज्जा शॉप पर जबरदस्त भीड़ थी। इसके एक घंटे बाद ही इजरायल ने ईरान पर एयरस्ट्राइक कर दी। गूगल मैप्स प्रोफ़ाइल पर अर्लिंग्टन स्थित डोमिनोज़ के ष्सामान्य से अधिक व्यस्तष सूचक को विश्व भर में युद्ध की प्रमुख घटनाओं से जोड़ा गया है।

कोल्ड वॉर से लेकर अब तक इतिहास

कुछ लोगों का कहना है कि पिज्जा सिद्धांत शीत युद्ध से जुड़ा है, जब सोवियत खुफिया ने अमेरिकी सैन्य गतिविधि की भविष्यवाणी करने के लिए वाशिंगटन, डीसी में पिज्जा जॉइंट्स की निगरानी की थी। दमू.बवउ.न के अनुसार, इसे 'पिज्जिंट' कहा जाता था, जिसका अर्थ है पिज्जा इंटेलिजेंस। 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में, कई मीडिया आउटलेट्स ने उल्लेखनीय क्षणों के दौरान पिज्जा की बिक्री में उछाल की सूचना दी। उन्होंने इस मीट्रिक को पिज्जा मीटर नाम दिया। 1 अगस्त 1990 को, जब सद्दाम हुसैन अगले दिन कुवैत पर आक्रमण करने की तैयारी कर रहे थे, तो पिज्जा के ऑर्डरों में अचानक वृद्धि हो गई। 1991 में ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म के दौरान, फ्रैंक मीक्स, जो वाशिंगटन क्षेत्र में 59 डोमिनोज़ फ़्रैंचाइज़ी के मालिक थे, ने दावा किया कि हर बार जब सैन्य कार्रवाई आसन्न होती थी, तो उनके ऑर्डर बढ़ जाते थे। 1998 में उन्होंने एलए टाइम्स को बताया कि बिल क्लिंटन की महाभियोग सुनवाई के दौरान भी उनके ऑर्डर में इसी तरह की वृद्धि हुई थी। दिसंबर 1998 में ऑपरेशन डेजर्ट फॉक्स के दौरान, व्हाइट हाउस ने सामान्य से 32 प्रतिशत अधिक एक्स्ट्रा-चीज़ पिज्जा का ऑर्डर दिया। एक पूर्व ब्छछ पेंटागन संवाददाता, वुल्फ ब्लिट्जर ने एक बार 1990 में मज़ाक में कहा था, पत्रकारों के लिए मुख्य बातरू हमेशा पिज्जा पर नज़र रखें।

संक्षिप्त

ट्रंप ने अधिकारियों को दिए प्रदर्शनकारियों को पकड़ने और उन्हें निर्वासित करने के निर्देश

अमेरिका के लॉस एंजिलिस और अन्य प्रमुख शहरों में आव्रजन नीति के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय आव्रजन अधिकारियों को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले राज्यों से निर्वासन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) अधिकारियों से ''इतिहास के सबसे बड़े सामूहिक निर्वासन

अभियान के बेहद महत्वपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी पूरी क्षमता से काम करने'' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अधिकारियों को ''लॉस एंजिलिस, शिकागो और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों में आव्रजकों को हिरासत में लेने और उन्हें निर्वासित करने के प्रयासों में तेजी लाने को कहा गया है।'' ट्रंप का यह बयान, कई सप्ताह तक कार्रवाई में तेजी और 'व्हाइट हाउस' के 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' एवं ट्रंप की आव्रजन नीति के प्रमुख स्टीफन मिलर के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि आईसीई अधिकारी रोजाना कम से कम 3,000 गिरफ्तारियों का लक्ष्य रखेंगे।

मिनेसोटा के दो सांसदों को गोली मारने के मामले में संदिग्ध गिरफ्तार

अमेरिका में मिनेसोटा के दो सांसदों को गोली मारने के मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'एसोसिएटेड प्रेस' को एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि वैंस बोएल्टर को रविवार शाम पकड़ा गया। हालांकि, अधिकारी ने जांच के विवरण के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। शनिवार को डेमोक्रेट पार्टी की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति मार्क को घर में घुस कर गोली मारी गई थी। इस घटना में दोनों की मौत हो गई थी। सांसद जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी यवेटे भी चौम्पलिन स्थित अपने घर में घायल मिले थे। रविवार को 'ब्यूरो ऑफ क्रिमिनल अप्रेहेंशन' के सुपरिंटेंडेंट ड्रू इवांस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संदिग्ध की गिरफ्तारी के लिए आदेश जारी किए गए थे जिसे बाद में पकड़ लिया गया। इवांस ने बताया कि अधिकारियों को रविवार को मिनियापोलिस से कुछ दूर स्थित ग्रीन आइल में बोएल्टर के घर के पास एक खेत से उसकी कार मिली। अधिकारी ने यह भी बताया कि कार में कुछ महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं, लेकिन उन्होंने विवरण नहीं दिया।

ईरान ने इजराइल पर फिर से किए मिसाइल हमले, 67 लोग घायल

ईरान ने इजराइल के मध्य तथा उत्तरी क्षेत्र को निशाना बनाते हुए सोमवार को फिर सिलसिलेवार मिसाइल हमले किए जिसमें कम से कम 67 लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच संघर्ष के चौथे दिन तेल अवीव में सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं जो संभवतरू इजराइल की रक्षा प्रणाली द्वारा ईरान के मिसाइल हमलों को नाकाम करने की थी। मध्य इजराइल के शहर पेटाह टिकवा के अधिकारियों ने बताया कि ईरानी मिसाइलों ने एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया जिससे दीवारें जलकर खाक हो गईं, खिड़कियों के शीशे टूट गए और कई अपार्टमेंट को भारी नुकसान हुआ। बचाव दल घटनास्थलों पर मौजूद हैं, हालांकि हताहतों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। इजराइल की आपातकालीन सेवा 'मैगन डेविड एडोम' सेवा ने कहा कि मिसाइल हमलों से प्रभावित चार अलग-अलग स्थानों से बचाए गए 67 घायलों का उपचार किया जा रहा है। इसने कहा कि अधिकांश को हल्की चोटें आई हैं। ईरान के सरकारी टीवी की एक खबर के अनुसार ईरान ने इजराइल पर कम से कम 100 मिसाइलें दागीं जो इस बात की ओर इशारा करता है कि ईरान तनाव कम करने के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आह्वान को ज्यादा तवज्जों नहीं दे रहा है।

अमेरिका में 'नो किंग्स' रैली में हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत

अमेरिका की सॉल्ट लेक सिटी में 'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक शख्स ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति पर गोलियां चलायीं जो उसके साथ एकराहगीर को लगी, जिसमें राहगीर की इलाज के दौरान मौत हो गयी। प्राधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ऐसा बताया जा रहा है कि गोली चलाने वाला व्यक्ति शांतिरक्षक दल का हिस्सा था। सॉल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की कोशिश कर रहे कथित हमलावर ऑर्टुरो गैंबोआ (24) को हत्या के आरोप में शनिवार शाम को हिरासत में ले लिया। मृतक राहगीर की पहचान 39 वर्षीय आर्थर फोलासा ए. लू के तौर पर की गयी है। रेड ने बताया कि आरोपी ने तीन गोलियां चलायी जो गैंबोआ और लू को लगी। पुलिस ने बताया कि गैंबोआ का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। हमले में वह घायल हो गया है और उसका उपचार किया गया। उस पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

यूएस में पाकिस्तानियों ने अपने ही दूतावास को घेरकर असीम मुनीर को दी चुनौती

इस्लामाबाद के कसाई हिम्मत है तो बाहर निकलो

पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर बड़े रौब से अमेरिका की यात्रा पर गये थे मगर वहां भीगी बिल्ली बन कर रह गये क्योंकि खुद उनके अपने ही देश के लोगों ने उन्हें छिप कर रहने पर मजबूर कर दिया। हम आपको बता दें कि वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (च्ज्प्) पार्टी के समर्थक भारी संख्या में एकत्रित होकर पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। यह समर्थन अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से वाशिंगटन आये थे। कोई कार से आया था तो कोई हवाई यात्रा करके, इन सभी का उद्देश्य था कि असीम मुनीर के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया जाये क्योंकि पाकिस्तान में लोकतंत्र के ढहने और विपक्षी नेताओं पर हो रहे जुल्म का असल जिम्मेदार असीम मुनीर ही है। ऐसा लगता है कि इमरान खान समर्थकों के बड़ी संख्या

में आने की भनक असीम मुनीर को लग गयी थी इसलिए वह कहीं नजर नहीं आये। इसीलिए पाकिस्तानी अमेरिकियों ने अपने ही दूतावास पर आरोप लगाया कि उसने मुनीर को छिपा कर रखा हुआ है। पीटीआई समर्थक दूतावास के बाहर चिल्ला रहे थे कि असीम मुनीर हिम्मत है तो बाहर निकल कर दिखाओ। च्ज्प् समर्थकों ने वहां जो पर्चे बांटे उस पर लिखा था- ष्पाकिस्तान दूतावास आसिम मुनीर को कहाँ छिपा रहा है? हम आपको बता दें कि पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक असीम मुनीर के अमेरिका दौरे का विरोध करते हुए कह रहे थे कि यह वही व्यक्ति है जो पाकिस्तान में संविधान का उल्लंघन, जनादेश की चोरी और गंभीर मानवाधिकार हनन के लिए जिम्मेदार है। च्ज्प् कार्यकर्ताओं ने वॉशिंगटन डीसी में डिजिटल वैन भी तैनात की थीं जिन पर जनरल मुनीर के वीडियो और पोस्टर दिखाये जा रहे थे। इन पोस्टरों में उन्हें ष्इस्लामाबाद का कसाईष कहा गया। हालांकि एक तथ्य यह भी है कि व्हाइट हाउस और ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ट्रंप-आर्मी परेड के लिए असीम मुनीर या किसी भी विदेशी गणमान्य व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया गया था। लेकिन च्ज्प् समर्थकों का दावा था कि मुनीर अमेरिका में ही हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में भी दावा किया गया है कि मुनीर अमेरिका में तो हैं, लेकिन उन्होंने वाशिंगटन में ट्रंप-आर्मी परेड में भाग नहीं लिया। मुनीर के अमेरिका में होने की अटकलें तब और बढ़ गयीं जब न्यूयॉर्क सिटी के टाइम्स स्क्वायर में जनरल मुनीर के समर्थन में बिलबोर्ड दिखाई दिए। हम आपको यह भी बता दें कि जहाँ ट्रंप समर्थकों ने परेड का जश्न मनाया, वहीं अमेरिका भर के कई बड़े शहरों में ष्नो किंग्सष (राजा नहीं चाहिए) के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन हुए। आलोचकों ने ट्रंप पर अधिनायकवादी प्रवृत्तियों का आरोप लगाया। इस दौरान लॉस एंजेलिस में आंसू गैस का प्रयोग किया गया और साल्ट लेक सिटी में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मारने की इजराइली योजना को वीटो किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मारने के संबंध में इजराइल द्वारा अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत की गई योजना को वीटो कर दिया। एक अमेरिकी अधिकारी ने यह जानकारी दी। इजराइल ने हाल

के दिनों में ट्रंप प्रशासन को सूचित किया कि उसने खामेनेई को मारने के लिए एक विश्वसनीय योजना बनाई है। नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि योजना के बारे में जानकारी मिलने के बाद 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने इजराइली अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप इजराइल द्वारा यह कदम उठाए जाने के खिलाफ हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के उद्देश्य से इजराइल के सैन्य अभियान को और भी व्यापक संघर्ष में बदलने से ट्रंप प्रशासन रोकना चाहता है और खामेनेई को मारने की योजना को एक ऐसे कदम के रूप में देखता है जो संघर्ष को और भड़काएगा तथा संभावित रूप से क्षेत्र को अस्थिर करेगा। 'फॉक्स न्यूज' चौनल के ''स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर'' पर एक साक्षात्कार के दौरान योजना के बारे में पूछे जाने पर, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीधे तौर पर यह नहीं बताया कि 'व्हाइट हाउस' ने योजना को अस्वीकार कर दिया है या नहीं। नेतन्याहू ने कहा, ''लेकिन मैं आपको बता सकता हूं और मुझे लगता है कि हमें जो करना चाहिए, हम वही करेंगे। मुझे लगता है कि अमेरिका जानता है कि अमेरिका के लिए क्या अच्छा है।'' नेतन्याहू ने यह भी कहा कि शासन परिवर्तन निश्चित रूप से संघर्ष का परिणाम हो सकता है ''क्योंकि ईरान का शासन बहुत कमजोर है।'' ट्रंप द्वारा प्रस्ताव को अस्वीकार करने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर नेतन्याहू के कार्यालय ने इन खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

तकनीकी खराबी के कारण ब्रिटिश एयरवेज की चेन्नई फ्लाइट को बीच उड़ान से ही लंदन वापस लौटाया गया

चेन्नई जाने वाला ब्रिटिश एयरवेज का बोइंग ड्रीमलाइनर विमान रविवार को तकनीकी खराबी के कारण बीच उड़ान से ही वापस लंदन लौट गया। ब्रिटिश एयरवेज ने एक बयान में कहा कि विमान सुरक्षित रूप से उतरा और चालक दल के सदस्य तथा यात्री सामान्य तरीके से विमान से उतर गए। यह घटनाक्रम अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ दिन बाद हुआ है। हालांकि, एयरलाइन ने विमान के प्रस्थान समय, उसमें सवार यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों की संख्या तथा विमान के लंदन लौटने से पहले हवा में उड़ान भरने के समय के बार में तथा अन्य जानकारियां साझा नहीं कीं। ब्रिटिश एयरवेज ने कहा, ''तकनीकी समस्या की रिपोर्ट के बाद विमान को मानक एहतियात के तौर पर हीथ्रो वापस लाया गया।'' हालांकि, लाइव फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम के अनुसार ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए35 को स्थानीय समयानुसार दोपहर 1240 बजे लंदन से रवाना होना था और उसे तड़के 3.30 बजे चेन्नई पहुंचना था। फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार, बोइंग 787-8 के साथ संचालित उड़ान बीए35 हीथ्रो लौटने से पहले लगभग दो घंटे तक हवा में रही। इस बीच, फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रहा लुफ्थांसा विमान वापस अपने बेस पर लौट गया। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, इस उड़ान के रद्द हो जाने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) को एक संदेश मिला कि विमान जर्मनी से उड़ान भरने के कुछ समय बाद फ्रैंकफर्ट लौट रहा है। वेबसाइट फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम के अनुसार, उड़ान एलएच 752 फ्रैंकफर्ट से अपराह्न 2:29 बजे रवाना हुई और इसे सोमवार को आधीरात के बाद 1.20 बजे हैदराबाद पहुंचना था। वेबसाइट के अनुसार यह विमान बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर है।

पेरू के तट के निकट भूकंप से राजधानी हिली, एक व्यक्ति की मौत

पेरू के मध्य तट के निकट रविवार को आए 5.6 तीव्रता के भूकंप से राजधानी लीमा और बंदरगाह शहर कालाओ हिल उठे और इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर प्रशांत महासागर में आया। इसका केंद्र राजधानी लीमा के पश्चिम में स्थित बंदरगाह शहर कालाओ से 23 किलोमीटर (14 मील) दक्षिण-पश्चिम में था। पुलिस कर्नल रामीरो क्लाउको ने 'आरपीपी रेडियो' को बताया कि उत्तर लीमा में 36 वर्षीय व्यक्ति की उस समय मौत हो गई जब वह अपनी गाड़ी के बाहर खड़ा होकर एक यात्री का इंतजार कर रहा था और तभी एक निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल से एक दीवार ढहकर उसके सिर पर आ गिरी। आपातकालीन संचालन केंद्र ने बताया कि घायलों का इलाज अस्पतालों में जारी है। एजेंसी ने यह भी कहा कि कुछ सड़कों और शैक्षणिक केंद्रों को नुकसान पहुंचा है। पेरू के राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे कालाओ जा रही हैं। स्थानीय मीडिया द्वारा साझा किए गए फुटेज में मलबे से क्षतिग्रस्त हुई कारें, मकान और गिरे हुए होर्डिंग्स देखे जा सकते हैं। पेरू के भूकंपीय संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष हर्नांडो टावेरा ने स्थानीय टेलीविजन चौनल एन को बताया कि लीमा के सभी जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

ईरान और इजरायल विवाद पर बोलते हुए अचानक बीच में भारत-पाकिस्तान को ले आए ट्रंप, मोदी सरकार देगी तगड़ा जवाब?

13 जून को इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के सैन्य, परमाणु और मिसाइल ठिकानों पर हमला किया था। इसके जवाब में ईरान ने भी बड़े स्तर पर इजरायल के बड़े बड़े शहरों पर मिसाइल दागें। तभी से दोनों देश एक दूसरे के खिलाफ लगातार हमले कर रहे हैं। अब दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा किया है। ट्रंप को उम्मीद है कि ईरान और इजरायल जल्द ही शांति समझौता करेंगे। ट्रंप ने कहा कि जैसे उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच में सीजफायर कराया था। वैसे ही वो ईरान और इजरायल के बीच समझौता करा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल पोस्ट में लिखा कि ईरान और इजरायल को समझौता करना चाहिए, और वो समझौता करेंगे, जैसे मैंने भारत और पाकिस्तान को समझौते के लिए तैयार किया था। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि उस समय अमेरिका के साथ ट्रेड का इस्तेमाल करके मैंने दोनों देशों को बातचीत के लिए तैयार किया। दोनों नेताओं ने जल्दी और समझदारी से फैसला लिया और रुक गए! हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ संघर्ष विराम समझौता द्विपक्षीय सैन्य-स्तरीय वार्ता का नतीजा था, जिसमें किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी नहीं थी।

तुर्किये में हॉट एयर बैलून दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत, 19 पर्यटक घायल

मध्य तुर्किये में रविवार को दो हॉट एयर बैलून दुर्घटनाएं हुईं। एक हादसे में हॉट एयर बैलून के पायलट की मौत हो गई और 19 इंडोनेशियाई पर्यटक घायल हो गए। एक अन्य हादसे में 12 भारतीय पर्यटक मामूली रूप से घायल हो गए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।